

**एनएसओ गुप के खिलाफ जांच का अध्ययन कर रहा इजरायली रक्षा मंत्रालय**

नई दिल्ली। इजरायल के रक्षा मंत्री बेनी गेंटज ने मंगलवार को कहा कि एनएसओ गुप के खिलाफ जांच का रक्षा मंत्रालय अध्ययन कर रहा है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब यह बात उजागर हुई है कि इजरायली साइबर कंपनी पत्रकारों और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने के लिए अपने स्पाइवेयर विदेशी सरकारों को बेचती रही है। तेल अवीव यूनिवर्सिटी में आयोजित साइबर वीक में गेंटज ने किसी कंपनी को नाम दिए बिना कहा, कुछ इजरायली साइबर कंपनियों द्वारा विकसित प्रणालियों के इस्तेमाल से संबंधित हालिया प्रकाशनों के बारे में हमें पता है। रिव्यार को पैगासस प्रोजेक्ट से पता चला था कि अजरबैजान, बहरीन, मैक्सिको, मोरक्को, रवांडा, सऊदी अरब, हंगरी, भारत और संयुक्त अरब अमीरात समेत कई देशों की सरकारों द्वारा निशाना बनाए गए लोगों के फोन में एनएसओ (पैगासस) द्वारा बेचे गए स्पाइवेयर की पहचान हुई थी। इस जांच को एमनेस्टी इंटरनेशनल के प्रायोजन और पेरिस स्थित जर्नलिज्म नानप्रॉफिट फारबिडेन स्टोरीज के नेतृत्व में 17 मीडिया संगठनों ने अंजाम दिया था। इसके केंद्र में 50 हजार फोन नंबरों की लीक हुई एक सूची थी जो पत्रकारों, वरिष्ठ राजनीतिज्ञों और कारोबारी लोगों से जुड़ी थी। गेंटज ने दावा किया कि नीति के एक मामले के रूप में, इजरायल साइबर उत्पादों के निर्यात को केवल सरकारों को, केवल वैध उपयोग के लिए और विशेष रूप से अपराध और आतंकवाद को रोकने और जांच करने के उद्देश्यों के लिए अधिकृत करता है। देश ऐसे उत्पादों के निर्यात को नियंत्रित करता है और इसका अनुपालन करता है। अंतरराष्ट्रीय निर्यात नियंत्रण व्यवस्था। गेंटज ने कहा कि इजरायल साइबर उत्पादों का निर्यात को केवल सरकारों को करता है।

## पैगासस जासूसी मामला

# सुप्रीम कोर्ट में एसआईटी जांच और सॉफ्टवेयर खरीदने की रोक की मांग को लेकर याचिका दायर

भारत में सरकार द्वारा कथित तौर पर विपक्षी दलों के नेताओं के फोन टैप करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन ने खुलासा किया है कि पैगासस के जरिए भारत में 300 से अधिक मोबाइल नंबर हैक किए गए।

नई दिल्ली। पैगासस सॉफ्टवेयर के जरिए कथित तौर पर भारत में विपक्षी नेताओं और पत्रकारों की जासूसी का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वरिष्ठ वकील मनोहर लाल शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। इस याचिका में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच की मांग की गई है। साथ ही भारत में पैगासस की खरीद पर रोक लगाने की अपील की गई है। पैगासस जासूसी मामले को लेकर देश में विपक्षी नेता मोदी सरकार पर हमलावर हैं। बुधवार को संसद में इस मामले पर जोरदार बहस हुई। कांग्रेस संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग कर रही है। वहीं अन्य विपक्षी पार्टियां सरकार से सफाई



मांग रही है। हालांकि, सरकार इस जासूसी मामले को पहले ही खारिज कर चुकी है। पैगासस कांड गहरी चिंता का

● इसमें कहा गया है, "पैगासस केवल निगरानी उपकरण नहीं है। यह एक साइबर-हथियार है जिसे भारतीय सरकारी तंत्र के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। भले ही यह आधिकारिक हो (जिससे लेकर संशय है), लेकिन पैगासस का इस्तेमाल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करता है।"

विषय-अधिवक्ता एम एल शर्मा द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि पैगासस कांड गहरी चिंता का विषय है और यह भारतीय लोकतंत्र, न्यायपालिका

का उपयोग केवल बातचीत सुनने के लिए नहीं होता, बल्कि इसके उपयोग से व्यक्ति के जीवन के बारे में पूरी डिजिटल जानकारी हासिल कर ली जाती है और इससे ना केवल फोन इस्तेमाल करने वाला असहय हो जाता है, बल्कि उसकी संपर्क सूची में शामिल हर व्यक्ति ऐसा महसूस करता है। 2016 के बाद से करीब 50,000 फोन नंबर को बनाया गया निशाना याचिका में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि जासूसी संबंधी इस खुलासे से राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि निगरानी विपक्षी विपक्षियों अत्यधिक बढ़ोतरी" वैश्विक सुरक्षा और

मानवाधिकार के लिए समस्या है। जिनहति याचिका में दावा किया गया है कि ऐसा बताया जा रहा है कि एनएसओ गुप कंपनी के ग्राहकों ने 2016 के बाद से करीब 50,000 फोन नंबर को निशाना बनाया है। इसमें कहा गया है, "पैगासस केवल निगरानी उपकरण नहीं है। यह एक साइबर-हथियार है जिसे भारतीय सरकारी तंत्र के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। भले ही यह आधिकारिक हो (जिसे लेकर संशय है), लेकिन पैगासस का इस्तेमाल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करता है।" याचिका में जासूसी के लिए पैगासस को खरीदने को अवैध एवं असंवैधानिक करार देने का अनुरोध किया गया है।

## भारत में कोरोना की तीसरी लहर की आहट इन 13 राज्यों में खतरों की घंटी, जावें कौन तीन कारण होंगे अहम

नई दिल्ली। टीकाकरण के बावजूद ब्रिटेन, रूस समेत कई देशों में कोरोना के बढ़ते संक्रमण ने भारत की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। हालांकि, देश में करीब 68 फीसदी लोक सीरो पांजिटिव पाए गए हैं। लेकिन इसके बावजूद कोरोना संक्रमण के दैनिक औसत मामले एक महीने से 40 हजार पर स्थिर हैं। विशेषज्ञ चिंता जता रहे हैं कि आंकड़े स्थिर होने के बाद इनमें बढ़ोतरी हो सकती है। कोरोना की दूसरी लहर के बाद हुए सीरो सर्वे में करीब 68 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है। इसमें टीका लगा चुके लोग भी शामिल हैं। लेकिन इसके बावजूद देश के 13 राज्यों में कोरोना के सक्रिय रोगियों में बढ़ोतरी का रुझान है। केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा के अलावा पूर्वोत्तर के तमाम राज्यों में कोरोना के दैनिक मामलों की दर उंची बनी हुई है। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के निदेशक प्रोफेसर जुगल किशोर ने कहा कि बड़े पैमाने पर लोगों में

एंटीबॉडी मिलने से यह स्पष्ट है कि कोरोना की तीसरी लहर पहले जैसी भयावह नहीं होगी। लेकिन जिस प्रकार तेजी से मामले घट रहे थे और वह 40 हजार पर स्थिर हो गए हैं, यह तीसरी लहर की आहट हो सकती है। कई देशों में ऐसा ही हुआ है। वह अब तक कई लहर का सामना कर चुके हैं। कई प्रदेशों में भी दो से अधिक लहर आ चुकी हैं। लापरवाही महंगी पड़ सकती है किशोर ने कहा कि आने वाले दिनों में संक्रमण में बढ़ोतरी का रुझान दिख सकता है। लेकिन यदि भीड़ बढ़ाने वाली घटनाएं नहीं होंगी तो संक्रमण का ज्यादा फैलाव नहीं होगा। इस प्रकार तीसरी लहर आएगी और जल्दी खत्म हो जाएगी। लेकिन यदि भीड़ बढ़ी। ज्यादा लापरवाही हुई तो यह लापरवाही महंगी पड़ सकती है। क्योंकि सीरो सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार, अभी 40 करोड़ से अधिक लोग ऐसे हैं जो संक्रमण से बचे हैं और टीका भी नहीं लगा है। यह बड़ी आबादी है।

## स्कूल की लापरवाही से गंभीर बीमारी की शिकार हुई छात्रा को 88.73 लाख रुपये का मुआवजा

नई दिल्ली। स्कूल दूर में उत्तर भारत में भ्रमण के दौरान शिक्षकों की लापरवाही के कारण मेनिंगो एन्सेफलाइटिस (दिमागी बुखार) का शिकार हुई बंगलूरु की एक छात्रा को सुप्रीम कोर्ट ने 88.73 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। वर्ष 2006 में हुई इस घटना ने समय लड़की नौवीं कक्षा में पढ़ती थी। शीर्ष अदालत ने पाया कि इस बीमारी से पीड़ित होने की वजह से लड़की सामान्य जीवन जीने से महरूम हो गई और उसकी शादी की संभावनाएं भी खत्म हो गईं। दरअसल, राज्य उपभोक्ता आयोग ने स्कूल प्रबंधन से छात्रा को 88.73 लाख रुपये मुआवजा देने के लिए कहा गया। लेकिन स्कूल प्रबंधन की अपील पर राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने मुआवजे की राशि घटाकर 50 लाख रुपये कर दी। राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के फैसले को पीड़ित पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। जस्टिस नवीन सिन्हा और जस्टिस आर सुभाष रेड्डी की पीठ ने राष्ट्रीय उपभोक्ता



को बहाल कर दिया। शीर्ष अदालत ने पाया कि राष्ट्रीय आयोग ने यह नहीं माना कि मुआवजे की रकम बहुत अधिक है। फिर भी उसने मुआवजे की राशि कम कर दी। शीर्ष अदालत ने कहा है कि बिना किसी तथ्य, चर्चा या तर्क

के राष्ट्रीय आयोग द्वारा लिया गया निर्णय मनमाना और नहीं टिकने वाला है। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि उस समय शिकायतकर्ता 14 वर्ष की थी और बंगलूरु के एक शैक्षणिक संस्थान में नौवीं कक्षा में पढ़ रही थी। दिसंबर 2006 में वह स्कूल के अन्य छात्रों व शिक्षकों के साथ उत्तर भारत के कई स्थानों पर शैक्षिक दौरे पर गई थी। दौरे के दौरान वह वायरल बुखार से बीमार हो गई, उनकी पहचान मेनिंगो एन्सेफलाइटिस के रूप में हुई। डॉक्टरों का कहना था कि अगर उसे समय पर ध्यान और चिकित्सा सहायता दी जाती तो वह आसानी से ठीक हो सकती थी। आखिरकार उसे एक एयर एंबुलेंस में बंगलूरु ले जाना पड़ा। उसके बाद से वह बिस्तर पर है। उसकी याददास्त चली गई है। वह बोल भी नहीं सकती। और उसके ठीक होने की कोई संभावना नहीं है। वह सामान्य जीवन से वंचित है और विवाह योग्य उम्र होने के बावजूद शादी की संभावनाओं से वंचित है।

## सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा- दहेज हत्या का दोषी खुदकुशी को उकसाने के केस से मुक्त नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी है कि दहेज हत्या (आईपीसी की धारा 304 बी) के तहत दोषी ठहराए गए व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने में (आईपीसी की धारा 306 के तहत) आरोप मुक्त नहीं किया जा सकता। इस मामले में शादी के 15 माह की अवधि के दौरान ही विवाहिता ने आत्महत्या कर ली थी। विवाहिता के पिता ने इस मामले में दहेज हत्या, हत्या के प्रयास, दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करवाया। साथ ही दहेज प्रतिषेध कानून की धारा 3 और 4 के तहत भी पति तथा ससुर व सास के खिलाफ केस दर्ज करवाया। इस मामले में हाईकोर्ट ने 304 बी तथा दहेज प्रतिषेध कानून के तहत आरोपों की पुष्टि करते हुए सास-ससुर को धारा 306 के तहत बरी कर दिया। इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई और बताया गया

कि धारा 304 बी के तहत दंडित करने के बाद धारा 306 के तहत आरोपमुक्त नहीं किया जा सकता। क्योंकि मुक्त अपने पीछे दो सुसाइड नोट छोड़कर गई थी, जिसे पढ़ने के बाद संबंधियों को धारा 306 के तहत बरी नहीं किया जा सकता। फैसले में जस्टिस विनीत शरण और जस्टिस दिनेश महेश्वरी की पीठ ने कहा कि धारा 306 ज्यादा विस्तृत है और यह धारा 304 बी को अपने दायरे में ले लेती है। ये दोनों धारा एक दूसरे से अलग नहीं हैं, यदि आत्महत्या करने के लिए धारा 304 बी को आधार बनाया गया है तो यह आवश्यक रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध धारा 306 को भी आकर्षित करेगी। जबकि यह इसका उल्टा नहीं हो सकता कि सिर्फ आत्महत्या करने के लिए उकसाने का आरोप हो और आत्महत्या न हो।

## आतंक पर कश्मीर में सेना की ताबड़तोड़ मार, सिर्फ जुलाई में 16 एनकाउंटर, 36 आतंकी ढेर

नई दिल्ली। बीते छह हफ्तों में जम्मू-कश्मीर के अंदर आतंकी गतिविधियों में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। इतना ही नहीं सुरक्षाबलों पर पाकिस्तानी आतंकवादियों के हमले भी बढ़े हैं। इस साल अब तक जम्मू-कश्मीर में कुल 86 आतंकियों को ढेर किया गया है और इनमें से 36 यानी कि करीब 45 फीसदी को जून-जुलाई माह में हुए 16 एनकाउंटर्स में मार गिराया गया है। जुलाई माह में सबसे ज्यादा आतंकी गतिविधियां देखी गई हैं। समाचार पत्र की खबर के मुताबिक, अकेले जुलाई माह के 20 दिनों में ही 10 एनकाउंटर हुए



हैं, जिनमें कुल 20 आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया है। इन 20 आतंकी पाकिस्तान के थे। इस साल सुरक्षाबलों ने कुल 36 ऑपरेशन चलाए और इसमें 86 आतंकियों को मार गिराया है। इनमें से 80 कश्मीर में और 6 जम्मू में मारे गए। मारे गए आधे

पाकिस्तान के डीजीएमओ की मुलाकात के बाद दोनों देशों ने संयुक्त बयान जारी कर संघर्षविराम का सम्मान किए जाने का एलान किया था। हालांकि, इसके बावजूद पाकिस्तान की ओर से सीजफायर उल्लंघन जारी है। खबर के मुताबिक, बीते हफ्ते पाकिस्तान से 4 बार घुसपैठक की कोशिश की गई। इसमें से एक को जहां नाकामयाब कर दिया गया तो वहीं, तीन सफल भी रहे। अभी तक कश्मीर में करीब 20 आतंकियों के घुसने की जानकारी है। वहीं, इस साल 15 जुलाई

तक आतंकी संगठनों में 69 आतंकी शामिल हुए हैं। हालांकि, बीते साल इसी अवधि में 85 लोग आतंकी संगठनों में शामिल हो गए थे। आतंकी संगठनों में शामिल होने वाले अधिकांश लड़ाके कश्मीर के कुलगाम, शोपियां और पुलवामा जिलों के हैं। साल 2020 में कुल 174 आतंकी बने थे तो वहीं साल 2019 में यह आंकड़ा 143 था। खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक, घाटी में इस वक्त 200 से ज्यादा आतंकी सक्रिय हैं और इनमें से 40 प्रतिशत पाकिस्तान से कश्मीर में घुसे हैं।

# बंधवाड़ी साइट पर खुले में कचरा जलाने पर एनजीटी ने जताई चिंता, जांच के लिए पैबल गठित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने गुरुग्राम में बंधवाड़ी लैंडफिल साइट से कचरे का प्रबंधन पर्यावरण नियमों के मुताबिक नहीं होने पर गंभीर चिंता जताई है। एनजीटी के चेयरमैन जस्टिस आदर्श कुमार गोकुल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एक लोक कल्याणकारी राज्य नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के संवैधानिक जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकता। खासकर, तब जब बीमारियां महामारी का रूप ले लें। एनजीटी ने कहा कि प्रशासन की विफलता और जिम्मेदारियों के प्रति लापरवाही विनाश के लिए काफी है। अधिकरण ने कहा कि यह उम्मीद है

कि हरियाणा सरकार नागरिकों की सुरक्षा और कानून के शासन को ध्यान में रखकर, इन कमियों को ठीक करेगी। एनजीटी ने इसके साथ ही दोषी अधिकारियों की लगातार लापरवाही के लिए जिम्मेदारी तय करने को कहा। एनजीटी ने मौके का जायजा लेने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया। इसमें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का एक सदस्य, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का एक सदस्य और गुरुग्राम के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट शामिल होंगे। एनजीटी ने इस कमेटी को एक महीने के अंदर रिपोर्ट दायर करने का निर्देश



दिया है। लोगों के साथ ही वन्य जीवों पर भी हो रहा असर याचिका पूनम यादव ने दायर की है। इसमें कहा गया है कि कचरे के प्रबंधन के लिए 2017 में चीनी कंपनी ईको-ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को ठेका दिया गया। इसके बावजूद, जो कदम उठाए गए हैं, वे अपर्याप्त हैं। याचिका में कहा गया है कि बंधवाड़ी लैंडफिल साइट के कचरे को खुली हवा में जलाया जा रहा है। इससे न केवल आसपास के लोग प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि असोला भाटी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के करीब 193 पक्षियों की

प्रजातियां भी प्रभावित हो रही हैं। सेंचुरी में पक्षियों के अलावा चिकित्सकीय पौधे और 80 किस्मों की तितलियां, काला तीतर, तेंदुओं इत्यादि पर भी असर पड़ा है। कचरे को लैंडफिल साइट में जलाना ठोस कचरा प्रबंधन नियम का उल्लंघन है। गौरतलब है कि एनजीटी ने नवंबर 2019 में गुरुग्राम नगर निगम को निर्देश दिया था कि वो बंधवाड़ी लैंडफिल साइट से 25 लाख टन कचरे को छह महीने में हटाए। एनजीटी ने कहा था कि बंधवाड़ी लैंडफिल साइट से कचरा हटाने के लिए समयबद्ध योजना बनाने की जरूरत है।

संपादकीय

## सुरक्षा की ओर

ताजा सीरोलॉजिकल सर्वे के नतीजे देख जहां एक ओर खुशी होती है, वहीं दूसरी ओर, चुनौती भी नजर आती है। देश भर में किए गए सैरो सर्वे में 67.6 प्रतिशत लोग पॉजिटिव पाए गए हैं, अर्थात् इतने प्रतिशत लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं, और उनके शरीर में एंटीबॉडी विकसित हो चुकी है। जून-जुलाई में हुए इस सर्वे से कोरोना के खिलाफ भारतीयों की बढ़ती सुरक्षा का अंदाजा होता है। आश्चर्य नहीं, देश में बड़ी संख्या में लोगों को कोरोना ने संक्रमित किया है और उन्हें इसकी जानकारी भी नहीं मिली है। आधिकारिक रूप से भारत में महज 3.12 करोड़ लोग ही कोरोना संक्रमित हुए हैं। संभव है, इससे चार गुना मामले दर्ज नहीं हो सके हैं। ऐसे में, दर्ज और दर्ज न होने वाले मामले करीब 13 करोड़ के करीब हैं, जबकि सैरो सर्वे के मुताबिक, देश में 75 से 80 करोड़ लोगों तक कोरोना संक्रमण पहुंच चुका है। कोरोना का खतरा भले ही पूरी तरह न टला हो, लेकिन मोटे तौर पर भारत में 80 करोड़ से ज्यादा लोग अपेक्षाकृत सुरक्षित हो गए हैं। अब चिंता उन 40 से 50 करोड़ लोगों की है, जिन तक अभी कोरोना नहीं पहुंचा है। सैरो सर्वे मोटे तौर पर एक अनुमान ही पेश करता है। काश, यह बता पाता कि किन लोगों तक संक्रमण नहीं पहुंचा है। यदि यह पता लग जाए कि कौन अभी भी ज्यादा असुरक्षित है, तो उसे टीकाकरण और अन्य उपायों से सुरक्षित करने पर जोर लगाया जा सकता है। चूंकि वास्तविक स्थिति से हम अनजान हैं, इसलिए उन तमाम लोगों तक हमें जल्द से जल्द टीकों का लाभ पहुंचाना चाहिए, जो अभी तक वंचित हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रीय सैरो सर्वे का चौथा चरण जून-जुलाई में 21 राज्यों के 70 जिलों में आयोजित किया गया था। इसमें 6-17 वर्ष की आयु के बच्चे भी शामिल थे। खास बात यह भी कि सर्वेक्षण में शामिल किए गए स्वास्थ्यकर्मियों में 85 प्रतिशत में कोरोना के खिलाफ एंटीबॉडी पाई गई है, जबकि स्वास्थ्यकर्मियों में 10 प्रतिशत को अब तक टीका नहीं लगा पाया है। यह एक ऐसा मोर्चा है, जहां सख्ती से कदम उठाने चाहिए और तमाम स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षा कवच से सुसज्जित करना चाहिए। यदि हम चिकित्साकर्मियों और तमाम डॉक्टरों को कोरोना से सुरक्षित कर सकें, तो भी यह हमारे लिए बड़ी सफलता होगी और स्वास्थ्य सुविधाओं में व्यापक सुधार आएगा। हमें सावधान रहने की जरूरत है, कोरोना अभी गया नहीं है। कई राज्यों में चिंता कायम है। प्रधानमंत्री भी बार-बार सतर्कता बरतने की सलाह दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय को लक्ष्य दिया गया है कि वह किसी तरह से तीसरी लहर को रोके। तीसरी लहर को रोकने में सैरो सर्वे से सहायता मिल सकती है। सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक स्तर पर भीड़ को रोकना जरूरी है। अनावश्यक यात्राओं से बचना और पूरी तरह से टीकाकरण ही सबसे अच्छे उपाय हैं। इधर, स्कूलों को खोलने की जल्दी दिख रही है, तो हमें पूरी तरह से विचार कर लेना चाहिए। एक तरफ, बच्चों में संक्रमण को लेकर चिंता है, दूसरी ओर, स्कूल खोलने की चर्चा विरोधाभास ही है। आईसीएमआर ने सुझाया है कि प्राथमिक विद्यालयों को पहले खोलना विवेकपूर्ण होगा, क्योंकि बच्चे संक्रमण से कहीं बेहतर निपट सकते हैं। हालांकि, पहले यह देख लेना चाहिए कि क्या सभी अभिभावकों और स्कूल स्टाफ का टीकाकरण हो चुका है?



## आज के ट्वीट

आइना

दैनिक मास्कर अखबार और भारत समाचार न्यूज चैनल के कार्यालयों पर इनकम टैक्स का छापा मीडिया को दबाने का एक प्रयास है। मोदी सरकार अपनी रतीमर आलोचना भी बर्दाश्त नहीं कर सकती है। यह भाजपा की फासीवादी मानसिकता है जो लोकतंत्र में सच्चाई का आइना देखना भी पसंद नहीं करती है। -- गु. अशोक महलौत

## ज्ञान गंगा

श्रीराम शर्मा आचार्य/ आकर्षक लगने वाली सभी वस्तुएं उपयोगी नहीं होतीं। सर्प, बिच्छू, कांठर, कनखजुरे जैसे प्राणी देखने में सुन्दर लगते हैं पर उनके गुणों को देखने पर पता चलता है कि वे समीप आने वाले को कितना त्रास देते हैं? प्रथम पहचान में ही न किसी का मित्र बनना चाहिए और न किसी को बनाना चाहिए। चरित्र के बारे में बारीकी से देखना, समझना और परखना चाहिए। मात्र शालीनता के प्रति आशा रखने वाले और आदर्शों का दृढ़तापूर्वक अवलम्बन करने वाले ही इस योग्य होते हैं कि उनसे घनिष्टता का संबंध स्थापित किया जाए। बड़ी बात दुर्जनों को समझाकर सज्जनता के मार्ग पर लाना उतना महत्त्वपूर्ण नहीं है, जितना कि उनके गिरोह को छिन्न-भिन्न करने से लेकर घात लगाने की चलती प्रक्रिया में कारगर अवरोध खड़े कर देना। इसके लिए जनसाधारण को साहस जगाने वाला प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, प्रतिरोध कर सकने वाली साहसिक मंडलियों का गठन किया जाना चाहिए और सरकारी तंत्र तक यह आवाज पहुंचाई जानी चाहिए कि उसके भागीदार अधिकारी कर्मचारी उस कर्तव्य का ईमानदारी से पालन करें जिसके लिए उन्होंने जिम्मेदारी कंधे पर उठाई है। इस कार्य

## अनाचार

में उन्हें जहां भी कठिनाई अनुभव हो रही हो, उसे दूर करने के लिए जागरूक नागरिकों को समुचित प्रयत्न करना चाहिए। जनता का साहस, सुरक्षा बलों का पराक्रम और सरकारी तंत्र का समुचित योगदान यदि मिलने लगे तो गुंडागर्दी का उन्मूलन कठिन न रहेगा। हर व्यक्ति अपने को ऐसा चुस्त-दुरु स्त रखे, जिससे प्रतीत हो कि वह किसी भी आक्रमण का सामना करने के लिए तैयार है। यह कार्य प्रायः एकाकी होने पर नहीं बन पड़ता, समूह में अपनी शक्ति होती है। मिल-जुलकर रहने और एक-दूसरे की क्षमता बनाए रहने पर आधी मुसीबत टल जाती है। निजी हौसला बुलन्द रखने के अतिरिक्त अपने जैसे ही साहसी लोगों का संगठन बना लेना चाहिए और उनके साथ-साथ रहने, साथ-साथ उठने-बैठने के अवसर बनाते रहने चाहिए। बर् के छत्ते में हाथ डालने में डर लगता है, पर यदि वह अकेली पास आ डटे तो उसका कच्मूर निकालने के लिए कोई भी तैयार हो जाता है। बन्दर समूह में रहते हैं और एक को छेड़ने पर दूसरे भी उनकी सहायता को इकट्ठे हो जाते हैं। इस कारण लोग बन्दरों के झुंड को छेड़ते नहीं, उससे बचकर ही निकलने में अपनी भलाई देखते हैं।



## जनसंख्या नीति के साथ डीएनए डेटा संधारण पर विचार की जरूरत



- कोशल मूढ़ड़ा

पिछले दिनों से देशभर में जनसंख्या नीति को लेकर बड़ी बहस छिड़ी हुई है। इसी बीच, कर्नाटक हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि माता-पिता नाजायज हो सकते हैं लेकिन संतान नहीं क्योंकि अपने जन्म में बच्चे की कोई भूमिका नहीं होती। इन्हीं दो मुद्दों पर गहराई से मंथन किया जाए तो अब देश में डीएनए डेटा संधारण की जरूरत महसूस होने लगी है। पहली बार ऐसा हुआ है कि देश की एक राज्य सरकार ने तीसरी संतान होने पर हर तरह की सरकारी सब्सिडी व सुविधाएं स्थगित करने का प्रावधान निर्धारित किया है। अबतक ऐसा नहीं होता था इसलिए दो से अधिक संतानों पर भी सब्सिडी व सुविधाएं मिलती रहती थीं और देश में हो रहे जनसंख्या विस्फोट के विषय पर व्यक्ति सरोकार नहीं रखता था। अब व्यक्ति सोचने पर मजबूर होगा। इसी के साथ बलवती होती इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि सख्त जनसंख्या नीति माता-पिता को संतान का त्याग करने पर भी मजबूर कर सकती है। इसे दूसरे शब्दों में यू भी कहा जा सकता है कि

आप बच्चों को तो सरकार को संभालना ही होगा। इससे कोई भी सरकार इनकार नहीं कर सकती। ऐसी आशंकाओं में डीएनए का डेटा बैंक बेहद कारगर साबित हो सकता है। बच्चों के पैदा होते ही उनके माता-पिता के डीएनए के साथ उसका डीएनए लेकर सरकार आधारकार्ड जैसे पहचान पत्र में इसे शामिल कर सकती है अथवा सरकार इसे गोपनीय डेटा के रूप में भी अपने पास संग्रहित रख सकती है। ऐसे में अनाथालय के पालने में पहुंचने वाले बच्चे के जनकों का भी पता लगाना आसान हो सकेगा। हालांकि, सरकार को अस्पतालों पर मॉनिटरिंग रखनी होगी कि वे डीएनए डेटा संग्रहित करने में ईमानदारी बरतें। ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता के डीएनए डेटा की उपलब्धता न हो सके, उनका रिकॉर्ड अलग से वर्गीकृत करने के प्रावधान पर भी विचार करना होगा। कर्नाटक हाईकोर्ट की टिप्पणी पर बात करें तो हाईकोर्ट की चिंता उस बच्चे को लेकर है और सही भी है कि उस बच्चे का आखिर क्या होगा। ऐसे मामलों में भी डीएनए डेटा बैंक का प्रावधान कारगर साबित हो सकता है। अबतक तो डीएनए डेटा बैंक जिस दिन से बनना शुरू होगा, तब से उम्मीद की जा

सकती है कि अनैतिक कृत्यों और अपराधों में कमी शुरू हो जाए। ऐसे अपराधियों की पहचान करना कानून के लिए आसान होगा। इससे भी ऊपर उन अपराधिक मानसिकता के लोगों पर दबाव होगा जो झांसा देकर किसी भी युवती के साथ अनैतिक संबंध बनाते हैं और बाद में उनका त्याग कर देते हैं। डीएनए के मातृले में देश में एक बड़े राजनेता का मामला चर्चित भी रहा और डीएनए उस मामले में न्याय का आधार बना था। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर की सेवानिवृत्त छात्रकल्याण अधिष्ठाता मनोविज्ञानी और समाजशास्त्री प्रो. विजयलक्ष्मी चौहान कहती हैं कि नागरिकों के डीएनए डेटा का संग्रहण न केवल जनसंख्या नियंत्रण की नीति को धोखा देने वालों की पहचान करा सकती है, बल्कि इस डेटा का उपयोग अपराधियों की मानसिकता को समझने और विभिन्न बीमारियों के उपचार ढूँढने में भी हो सकता है। वे कहती हैं कि सामाजिक सुरक्षा के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा में भी इस डेटा का उपयोग महत्वपूर्ण साबित होगा, बशर्तें सरकार इस डेटा की सम्पूर्ण सुरक्षा की नीति पुख्ता बनाए क्योंकि शांति मानसिकता वाले लोग दूसरों को फंसाने के लिए भी ऐसे डेटा का इस्तेमाल कर सकते हैं। कौटने ने हिंसा और आतंकवाद पर अंकुश के लिए डीएनए सैम्पल लेने का नियम बनाया था। अमेरिका में भी किसी भी मामले में गिरफ्तार या हिरासत में लिया गए लोगों का डीएनए लिया जाता है। ऑस्ट्रेलिया, स्वीडन में भी ऐसा नियम है। हालांकि, इसका कई जगह मानवाधिकार संस्थाओं की ओर से पूरजोर विरोध भी किया गया है लेकिन किसी अपराध के मामले में डीएनए सैम्पल लेने का नियम कई देशों में लागू है। भारत में भी वर्ष 2015 में मोदी सरकार द्वारा वर्ष 2012 में तत्कालीन केन्द्र सरकार द्वारा लाए गए बिल को संशोधित करके ह्यूमन डीएनए प्रोफाइलिंग बिल - 2015 प्रस्तुत करने की कवायद की गई थी, तब यह चर्चा में रहा था। आज के परिप्रेक्ष्य में इसकी जरूरत समझी जा सकती है। चाहे जनसंख्या नीति के लिए हो, अनैतिक अपराध कम करने के लिए हो अथवा राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला हो, डीएनए के डेटा बैंक की अवधारणा पर विचार आज की परिस्थितियों में आवश्यक हो गया है। चाहे वृहद स्तर पर हो या सीमित स्तर पर, इस पर विचार करना अब समय की जरूरत हो गई है। आधार कार्ड में अंगुलियों के निशान और आंखों की पुतलियों के स्कैन का डेटा सरकार के पास सुरक्षित है तो डीएनए का डेटा भी सुरक्षित रह सकता है। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

डॉ. जगत राम, डॉ. राकेश कोहड़



बार शिनाख्त पेरू में हुई है। पिछले चार सप्ताह में 30 से अधिक देशों में इसको पाया जा चुका है। कुछ अन्य वैरिएंट्स पर भी नजर रखी जा रही है। मसलन, आयोटा और जौटा। इनके बारे में भी जानकारी पूरी तरह उपलब्ध नहीं है। जनस्वास्थ्य विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि भारत में तीसरी लहर आकर रहेगी, बस सवाल यह है... कब? इस चिंता के पीछे लोगों का व्यवहार है, जो सावधानियों को नजरअंदाज कर रहा है। यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय को दखल देकर धार्मिक समारंशों पर रोक लगानी पड़ी है। केंद्रीय गृह सचिव ने इस बात पर विशेष ध्यान दिलाया है कि पहले ही कुछ सूबों में संक्रमण का आर-फैक्टर (प्रजनन अवयव) बढ़ने लगा है। आर-फैक्टर उस दर का सूचकांक है, जिस पर संक्रमण बढ़ता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हम लोगों ने सावधानी नहीं बरती और संक्रमण चक्र नहीं तोड़ता तो भारत में तीसरी लहर अगले दो महीनों में आ सकती है। 14 जुलाई तक, देश की केवल 31 फीसदी आबादी को टीका लग पाया है, इसमें भी दोनों खुराकें पाने वाले केवल 7.7 प्रतिशत लोग हैं। यह कहा जा रहा है कि शायद तीसरी लहर बच्चों को ज्यादा प्रभावित करने वाली होगी क्योंकि वेकसीन 18 साल से ऊपर वालों को ही लग रही है। हालांकि इस विषय में डाटा विरोधाभासी है। एक ओर रिपोर्ट बताती है कि कोविड का शिकार बने बच्चों की संख्या बढ़ी है। जैसा कि पुणे के आंकड़े बताते हैं कि 1 से 7 जुलाई के बीच नये 2065 मामलों में बच्चों की गिनती 268 थी, वहीं दूसरी ओर पीजीआईएमआर चंडीगढ़ द्वारा करवाया गया सैरो-अध्ययन बताता है कि संक्रमित हो चुके कुल बच्चों के दो-तिहाई में पहले ही वायरस के प्रति एंटीबॉडीजन बन चुकी हैं। लिहाजा, असली तस्वीर जानने के लिए कि आबादी में कितनों को संक्रमण छू चुका है, इसके लिए देश के विभिन्न भागों और आयु वर्गों में बड़े स्तर वाला सैरो-सर्वे करवाना चाहिए। जीनोम-निगरानी के जरिए नये वैरिएंट्स पर नजर रखने की जरूरत है। केरल का हालिया

डाटा बताता है कि नये मामलों का 62 प्रतिशत डेल्टा वैरिएंट की वजह से है, जिसके उपवर्ग में अल्फा (26 फीसदी), बीटा (8.24 फीसदी) तो काप्पा (2.7 फीसदी) का हिस्सा था। देशभर में अल्फा और काप्पा वैरिएंट्स का अनुपात सबसे अधिक केरल में पाया गया है। महाराष्ट्र और उत्तर-पूर्वी राज्यों में ज्यादातर मामले डेल्टा वैरिएंट्स वाले रहे हैं। कोविड के वैरिएंट यात्रियों के माध्यम से सीमाओं के पार जाकर फैलने के लिए कुख्यात हैं। डेल्टा का उद-भव भारत में हुआ लेकिन अब दुनियाभर के देशों में नये मामलों में 90 फीसदी से ज्यादा इसकी वजह से हैं। लेम्डा वैरिएंट, जो पेरू में उपजा है, उससे एशिया में केवल एक ही मामला इज़ाइल में पाया गया है। तीसरी लहर से बचना है तो हम सबको कोविड संबंधी रोकथाम संहिता का पालन करना होगा और गैर जरूरी घूमने, भीड़ लगाने और सामाजिक समारंश करने से गुरेज करना चाहिए। संक्रमण की विषैली-कड़ी को तोड़ने के लिए वैकसीन टीकाकरण बढ़ाना होगा, जिसकी बढौलत नये वैरिएंट्स पनपने की संभावना से बचा जा सकता है। इस बात का पूरा खतरा है कि कोई 'भगोड़ा वैरिएंट' ऐसा भी आ सकता है, जो पूर्व में कोविड-ग्रस्त हुए व्यक्ति में बनी एंटी-बॉडीजन और मौजूदा वैकसीन की प्रभावशीलता को चकमा दे जाए। 'द नेचर' नामक प्रकाशन में आई फ्रांस की रिपोर्ट बताती है कि फ्राइजर और एस्ट्रा-जेनेका (कोविशील्ड) नामक टीके की पहली खुराक से डेल्टा वैरिएंट से केवल 33 फीसदी सुरक्षा बन पाई है। दूसरी खुराक के दो हफ्तों बाद फाइजर की प्रभावशीलता 88 फीसदी तो एस्ट्रा-जेनेका की 60 प्रतिशत रही। इसलिए अति आवश्यक है कि नये बने बने वैरिएंट्स पर कड़ी नजर रखी जाए और जितनी जल्द समूचे विश्व को टीका लग पाएगा, उतनी जल्द 'भगोड़े वैरिएंट' का खतरा कम हो जाएगा। लेखक पीजीआईएमआर, चंडीगढ़ के निदेशक और सह-लेखक गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में प्रोफेसर हैं।

## आज का राशिफल

<b>मेष</b>	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।
<b>वृषभ</b>	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
<b>मिथुन</b>	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।
<b>कर्क</b>	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।
<b>सिंह</b>	व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।
<b>कन्या</b>	रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सुजान्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।
<b>तुला</b>	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनी का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेंगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।
<b>वृश्चिक</b>	व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
<b>धनु</b>	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशांतर की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।
<b>मकर</b>	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।
<b>कुम्भ</b>	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।
<b>मीन</b>	जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।



**कोविड एक परीक्षा है और दुनिया इसमें विफल हो रही है : डब्ल्यूएचओ प्रमुख**

**टोक्यो।** जापान में ओलंपिक 2021 के लिए विभिन्न देशों के खिलाड़ियों का जमावड़ा लगना शुरू हो चुका है। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक ट्रेडोस एडनॉम गेब्रेयसस ने बुधवार को कहा कि और कोरोनावायरस महामारी एक ऐसी परीक्षा है, जिसमें दुनिया विफल हो रही है। गेब्रेयसस ने 138वें अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति सत्र में अपने मुख्य भाषण में कहा, महामारी अब तक नियंत्रण में हो सकती थी, अगर टीके जो महामारी को लपटों को बुझाने के लिए थे, अधिक समान रूप से आर्बाटित किए गए होते। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि टीकों के निर्माण और वितरण में विकृति ने गंभीर असमानताओं को उजागर किया है। गेब्रेयसस ने कहा, महामारी एक परीक्षा है और इसमें दुनिया विफल हो रही है। 40 लाख से अधिक लोग मारे गए हैं और अभी भी मौतें हो रही हैं। इस साल पहले से ही, मौतों की संख्या पिछले साल की कुल संख्या से दोगुनी से अधिक है। उन्होंने टीके, परीक्षण और उपचार साझा करने में वैश्विक विफलता पर भी नाराजगी व्यक्त की। अगर असमानता की बात की जाए तो महामारी के 19 महीनों के बाद भी और सबसे पहले टीकों को मंजूरी मिलने के सात महीने बाद भी, कम आय वाले देशों में केवल एक प्रतिशत लोगों को कम से कम एक खुराक मिली है, जबकि उच्च आय वाले देशों में आधे से अधिक लोगों को इसकी खुराक मिली है। लगभग 75 प्रतिशत टीके सिर्फ 10 देशों में लगाए गए हैं। कुछ सबसे अमीर देश अब अपनी आबादी के लिए तीसरे बूस्टर शॉट्स के बारे में बात कर रहे हैं, जबकि दुनिया के बाकी हिस्सों में स्वास्थ्य कार्यकर्ता, वृद्ध लोग और अन्य कमजोर समूहों को कोई टीका नहीं लग पाया है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ एक नैतिक आक्रोश नहीं है, यह महामारी विज्ञान और आर्थिक रूप से आत्म-परायण भी है। गेब्रेयसस ने कहा, यह विसंगति जितनी अधिक समय तक बनी रहेगी, महामारी उतनी ही लंबी खिंचेगी और इससे सामाजिक और आर्थिक उथल-पुथल का सामना भी करना पड़ेगा। मुझे ये टिप्पणी करने में जितना समय लगेगा, उतने में ही कोविड-19 से 100 से अधिक लोग अपनी जान गुंवा चुके होंगे। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने यह भी दोहराया कि खतरा टला नहीं है और दुनिया अब संक्रमण और मौतों की एक और लहर के शुरूआती चरण में है। प्रसारण में वृद्धि से और अधिक खतरनाक वैरिएंट सामने आएंगे, जिनसे संभावित रूप से टीकों से बचा जा सकता है।

**ईवीएस पारंपरिक कारों की तुलना में बहुत अधिक ग्रीनर : वैश्विक रिपोर्ट**

**नई दिल्ली।** भारत और अन्य देशों में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने पर तेजी के बीच बुधवार को एक नई रिपोर्ट आई, जिसके मुताबिक इस बहस को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है कि ईवीएस पारंपरिक आंतरिक दहन वाहनों से ज्यादा साफ नहीं हैं, यहाँ तक कि कारों के लिए भी। आज पंजीकृत बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) में अब तक का सबसे कम जीवन-चक्र जीएचजी (ग्रीनहाउस गैस) उत्सर्जन है। एक गैर-लाभकारी संस्था, इंटरनेशनल कार्बिसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन (आईसीसीटी) द्वारा जारी एक श्वेतपत्र से पता चला है कि आज पंजीकृत औसत मध्यम आकार के बीईवी के जीवनकाल में उत्सर्जन तुलनीय गैसोलीन कारों की तुलना में 66-69 प्रतिशत कम है। यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका में 60-68 प्रतिशत, चीन में 37-45 प्रतिशत और भारत में 19-34 प्रतिशत। यूरोप के लिए आईसीसीटी के प्रबंध निदेशक पीटर मॉक ने कहा, यहाँ तक कि भारत और चीन के लिए भी, जो अभी भी कोयले की बिजली पर बहुत अधिक निर्भर हैं, बीईवी के जीवन-चक्र लाभ आज भी मौजूद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा, जैसे-जैसे बिजली का मिश्रण डीकार्बोनाइज करना जारी रहता है, बीईवी और गैसोलीन वाहनों के बीच जीवन-चक्र उत्सर्जन अंतर काफी हद तक बढ़ जाता है, जब मध्यम आकार की कारों को 2030 में पंजीकृत होने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक, एसयूवी सहित यात्री कारों से जीवन-चक्र ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन को देखा गया और एक तरफ बैटरी और ईंधन सेल इलेक्ट्रिक वाहनों और दूसरी ओर दहन वाहनों के जलवायु प्रभावों के बीच तेज और सावधानीपूर्वक भेद किया।

**मार्क जुकरबर्ग फेसबुक के स्टॉक को हर दिन किया सेल**



सन फ्रांसिस्को।

फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग बहुत तेजी से अपना स्टॉक बेच रहे हैं। और 9 नवंबर, 2020 के बाद से, उन्होंने करोड़ों के लगभग हर दिन शेयर अनलॉड किए हैं, जो 2.8 बिलियन डॉलर के 9.4 मिलियन शेयर हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, जुकरबर्ग, जो

लगभग 127 बिलियन डॉलर मूल्य के साथ दुनिया के पांचवें सबसे अमीर व्यक्ति हैं, ने अब फेसबुक में अपनी हिस्सेदारी लगभग 14 प्रतिशत कर ली है, जो कंपनी के आईपीओ के समय 28 प्रतिशत थी। मई 2012 में फेसबुक के सार्वजनिक होने के बाद से, फोर्ब्स ने अनुमान लगाया कि उसने लगभग 15 बिलियन डॉलर के 132 मिलियन से अधिक फेसबुक शेयर बेचे हैं। जुकरबर्ग ने 2016 में अपने फेसबुक स्टॉक को नियमित रूप से बेचना शुरू किया है। उन्होंने और उनकी पत्नी ने अपनी बेटी मैक्सिमा को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने अपने जीवन का 99 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा और बीमारियों के इलाज के लिए देने का वादा किया। 2018 तक, जुकरबर्ग और चैन ने मिलकर कुल 9.4 मिलियन फेसबुक शेयर (रशुड) को लगभग 2 बिलियन डॉलर के फेसबुक शेयर

दान किए थे। फेसबुक के शेयर नौ साल पहले सार्वजनिक होने की तुलना में 800 प्रतिशत से अधिक ऊपर हैं। जुकरबर्ग ही नहीं, अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने भी आईपीओ के बाद पहले नौ वर्षों में अपनी हिस्सेदारी 42 फीसदी से घटाकर 24 फीसदी कर दी है। जून में अमेजन के सीईओ के रूप में पद छोड़ने वाले बेजोस ने तलाक के दौरान अपनी पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट को कंपनी में अपनी हिस्सेदारी का एक चौथाई हिस्सा दिया। एमेजॉन में उनकी हिस्सेदारी अब सिर्फ 10 फीसदी है। रिपोर्ट के मुताबिक, जुकरबर्ग की अनुमानित कमात का करीब 98 फीसदी अभी भी फेसबुक के स्टॉक में है। रिपोर्ट में कहा गया है, गूगल के संस्थापक लैरी पेज और सॉनी ब्रिन ने इतने ही समय में अपनी हिस्सेदारी 16 फीसदी से घटाकर 7 फीसदी कर ली है।

**यूपी में चावल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए परियोजना पर हस्ताक्षर**

लखनऊ।

वैश्विक कृषि कंपनी कोर्टेवा एग्रोसाइंस और विश्व बैंक समूह द्वारा होस्ट किए गए 2030 जल संसाधन समूह (2030 डब्ल्यूआरजी) ने उत्तर प्रदेश में स्थायी चावल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक परियोजना पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना की कल्पना चावल की खेती की प्रत्यक्ष बीज वाली चावल (डीएसआर) तकनीक पर किसानों की क्षमता का निर्माण करने के लिए की गई है जिससे किसानों के लिए स्थायी आजीविका सक्षम हो सके। उत्तर प्रदेश में चावल उत्पादन के लिए परिदृश्य स्तर की स्थिरता को बढ़ाना नामक यह परियोजना 40,000 एकड़ भूमि को चावल की रोपाई के पारंपरिक तरीकों से डीएसआर तकनीक में बदलने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करती है। यह तीन वर्षीय परियोजना कृषि में स्थायी आजीविका को बढ़ावा देगी। यह विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, क्षेत्र प्रदर्शन सत्रों, बाजार लिंकेज, बाजार आधारित स्थिरता वित्तपोषण और कृषि विज्ञान सहायता के माध्यम से चावल की खेती की डीएसआर तकनीक पर किसानों की क्षमता का निर्माण करेगी। परियोजना के माध्यम से, कोर्टेवा किसानों को संकर बीज और मशीनीकृत बुवाई सेवाओं के साथ-साथ मिट्टी परीक्षण और खेतों पर रखरखाव और कीटों के प्रबंधन में मदद करेगा। इन प्रथाओं को लागू करने से चावल की खेती में पानी के उपयोग में 35-37 प्रतिशत की कमी, बेहतर मिट्टी के स्वास्थ्य और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी (20-30 प्रतिशत तक) हो सकती है, जिससे राज्य में जलवायु लचीला सटीक कृषि-वित्तपोषण का समर्थन हो सकता है। कोर्टेवा एग्रोसाइंस के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी के कार्यकारी उपाध्यक्ष टिम ग्लेन ने बयान में कहा, यह परियोजना समग्र कृषि संबंधी हस्तक्षेपों को लागू करती है जो किसानों को डीएसआर अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

**साल की दूसरी तिमाही में 50 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा भारत का ऑनलाइन स्मार्टफोन बाजार**



नई दिल्ली।

कोविड के कारण दुनियाभर की अर्थव्यवस्था पर कभी प्रभाव पड़ा है। दूसरी ओर, भारतीय ऑनलाइन स्मार्टफोन बाजार अप्रैल-जून तिमाही में 50 प्रतिशत को पार करने की संभावना है। 5जी स्मार्टफोन शिपमेंट पहली तिमाही 2021 में 7 प्रतिशत से दूसरी तिमाही में 15 प्रतिशत तक है, क्योंकि लगभग हर स्मार्टफोन कंपनी 5जी-रेडी कम कीमत वाली डिवाइस को लॉन्च करने के लिए दोगुना काम कर रही है।

काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, अप्रैल और मई दोनों महीने में उम्मीद से बेहतर स्मार्टफोन कंपनियों में उछल थी, क्योंकि हमने पहले ही उल्लेख किया है कि स्मार्टफोन बाजार लचीला रहता है। हमने जून में फोन बाजारों में कफ़ी मजबूती देखी है। हालांकि, अपूर्ण श्रृंखला की कमी का भी दबाव था जिसका वैश्विक बाजार सामना कर रहा है, और भारत भी इससे अछूता नहीं था। इसके कारण, दूसरी तिमाही में स्मार्टफोन बाजार पिछले साल के मुकबले तिमाही से 14-18 प्रतिशत नीचे हो सकता है, जैसा कि आंकड़ों से पता चलता है। काउंटरपॉइंट ने कहा, कुल मिलाकर, हमारा मानना है कि बाजार पिछले साल की तरह मान-दर-साल विकास का प्रदर्शन करेगा। दूसरी तिमाही में विकास दर आधा हो चुका था। स्मार्टफोन बांड रियलमी ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि, उसका लक्ष्य इंडस्ट्री निम्नताओं और अन्य उद्योग भागीदारों के समर्थन से अगले साल भारतीय यूजर्स के लिए 10,000 रुपये से कम के सेगमेंट में 5जी स्मार्टफोन लाना है। रियलमी इंडिया और यूरोप के वाइस प्रेसिडेंट, रियलमी और सीईओ माधव शेट ने कहा, रियलमी का लक्ष्य 5 जी लीडर बनना है और यह मानता है कि 2021 के बाद से प्रत्येक भारतीय 5जी फोन का हकदार है। हम भारत और विश्व स्तर पर 5जी के लोकतंत्रीकरण का नेतृत्व कर रहे हैं, और अपने 5जी स्मार्टफोन के माध्यम से हम लगातार अधिक छलांग-आगे आश्चर्य और बाजार में सर्वश्रेष्ठ लाएंगे। काउंटरपॉइंट रिसर्च ने वचुअल 5जी इवेंट के दौरान खुलासा किया कि, भारत में मई में बिकने वाले लगभग 14 प्रतिशत स्मार्टफोन 5जी डिवाइस थे। काउंटरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक ने इवेंट के दौरान कहा था कि, ऐसे कई बाजार और तकनीकी कारक हैं जो 4जी से 5जी वर्जन को सभी डिवाइसों में तेजी ला देगा। डाउनलोड गति में बढ़े पैमाने पर प्रदर्शन को बढ़ावा देने और इमर्जिंग, प्रोसेसर और बैटरी लाइफ में स्टेप-चेंज फीचर सेट में सुधार की उम्मीद है।

10,000 रुपये से कम के सेगमेंट में 5जी स्मार्टफोन लाना है। रियलमी इंडिया और यूरोप के वाइस प्रेसिडेंट, रियलमी और सीईओ माधव शेट ने कहा, रियलमी का लक्ष्य 5 जी लीडर बनना है और यह मानता है कि 2021 के बाद से प्रत्येक भारतीय 5जी फोन का हकदार है। हम भारत और विश्व स्तर पर 5जी के लोकतंत्रीकरण का नेतृत्व कर रहे हैं, और अपने 5जी स्मार्टफोन के माध्यम से हम लगातार अधिक छलांग-आगे आश्चर्य और बाजार में सर्वश्रेष्ठ लाएंगे। काउंटरपॉइंट रिसर्च ने वचुअल 5जी इवेंट के दौरान खुलासा किया कि, भारत में मई में बिकने वाले लगभग 14 प्रतिशत स्मार्टफोन 5जी डिवाइस थे। काउंटरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक ने इवेंट के दौरान कहा था कि, ऐसे कई बाजार और तकनीकी कारक हैं जो 4जी से 5जी वर्जन को सभी डिवाइसों में तेजी ला देगा। डाउनलोड गति में बढ़े पैमाने पर प्रदर्शन को बढ़ावा देने और इमर्जिंग, प्रोसेसर और बैटरी लाइफ में स्टेप-चेंज फीचर सेट में सुधार की उम्मीद है।

**एअर इंडिया पर कोरोना का साया, अब तक 56 कर्मचारियों की मौत व 3000 से ज्यादा संक्रमित**

**नेशनल डेस्क।** केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री वीके सिंह ने को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 14 जुलाई तक एअर इंडिया के 56 कर्मचारियों की मौत हुई थी। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। सिंह ने बताया कि कोविड-19 से एअर इंडिया के 3,523 कर्मचारी संक्रमित हुए। 14 जुलाई, 2021 तक इनमें से 56 कर्मचारियों की मौत हो गई थी। मंत्री ने कहा कि कोविड प्रभावित कर्मचारियों और उनके परिवारों के हिटों की रक्षा करने के लिए एअर इंडिया की ओर से कई कदम उठाए गए हैं। वीके सिंह ने बताया कि कोविड के कारण मौत होने पर हर स्थायी कर्मचारी के परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया। कर्मचारियों को आइसोलेशन के लिए 17 दिनों की छुट्टी दी गई। इसके साथ ही कर्मचारियों और उनके परिवारों वैकसीन फीस की भी प्रतिपूर्ति की जा रही है। मंत्री ने कहा कि कोविड-पॉजिटिव कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएं भी मुहैया कराई जा रही हैं।

**आईबीएम बेंगलुरु हवाई अड्डे के संचालन का डिजिटलीकरण करेगा**

बेंगलुरु।

बुधवार को इसके ऑपरेटर ने कहा कि वैश्विक सॉफ्टवेयर प्रमुख आईबीएम उड़ान भरने वालों के अनुभव को बदलने के लिए बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के संचालन को डिजिटल करेगा। बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल), एक सार्वजनिक-निजी संघ, जो देश का तीसरा सबसे बड़े हवाई अड्डे का संचालन करता है, ने एक बयान में कहा कि हमने केमेगोडा हवाई अड्डे के संचालन के लिए अपने आईटी नेटवर्क को डिजिटल करने के लिए आईबीएम की वैश्विक व्यापार सेवा शाखा के साथ 10 साल की साझेदारी में प्रवेश किया है। रेड हैट आर्टिमेसन और आईबीएम के प्रबंधित इन्फ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज बिजनेस की एक इकाई, किडुली, यात्रियों के यात्रा अनुभव को बदलने के लिए बॉक्स प्लेटफॉर्म में एक हवाई अड्डा बनाने के लिए यूएस-आधारित आईटी दिग्गज के साथ साझेदारी करेगी। ऑपरेटर ने कहा कि सबसे तेजी से बढ़ते हवाई अड्डों में से एक के रूप में, हमें परिचालन लचीलेपन के साथ, भविष्य में यात्री यातायात में वृद्धि को संभालने के लिए

एक फुर्तीली, स्केलेबल और लागत-प्रतिस्पर्धी तकनीक की आवश्यकता है। नए प्लेटफॉर्म से ऑपरेटर की कर्मचारी उत्पादकता में सुधार, इसकी आईटी परिसंपत्तियों का बेहतर उपयोग, इन्वेंट्री नियंत्रण और बेहतर घटना प्रबंधन के माध्यम से लागत कम होने की उम्मीद है। बीआईएएल ने बयान में कहा कि आईबीएम प्लेटफॉर्म ऑपरेटर के व्यवसाय के विकास का समर्थन करेगा और आईबीएम मैक्सिमो एंटरप्राइज एसेट मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी से एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) से संचालित अंतर्दृष्टि उत्पन्न करेगा, ताकि इन्वेंट्री प्रबंधन और स्वामित्व की लागत का अनुकूलन किया जा सके। जब प्लेटफॉर्म चालू हो जाता है और प्लायर के यात्रा अनुभव को बढ़ाता है, तो जुड़वां साझेदार वैश्विक यात्रा और परिवहन उद्योग के परिवर्तन के लिए प्लेटफॉर्म को आगे बढ़ाने की योजना बनाते हैं। इस अवसर पर बीआईएएल के मुख्य कार्यकारी हरि मरार ने कहा कि आईबीएम के साथ साझेदारी हवाई अड्डे को स्मार्ट, डिजिटल,



कनेक्टेड और सहज बनाने के हमारे दृष्टिकोण का हिस्सा है। आईबीएम दुनिया भर में लगभग 150 हवाई अड्डों के साथ काम करता है और हवाई अड्डों, एयरलाइंस और विमानन उद्योग को नया करने और बदलने में मदद करने का इतिहास है। आईबीएम सेवाओं के उपाध्यक्ष मार्क फोस्टर ने बयान में कहा कि परियोजना उन्नत प्रौद्योगिकियों और सेवाओं को वितरित करने की हमारी क्षमता का लाभ उठती है जो हवाईअड्डा ऑपरेटरों को अपने व्यवसाय को बदलने में सक्षम बनाती है।

**एचयूएल का शुद्ध मुनाफा 10.7 प्रतिशत बढ़कर 2,100 करोड़ रुपये, शुद्ध बिक्री 13 प्रतिशत बढ़ी**

**नयी दिल्ली,** एफएमसीजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हिंदुस्तान यूनिटीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने गुरुवार को कहा कि जून 2021 को समाप्त हुई चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका संचयी शुद्ध लाभ 10.7 प्रतिशत बढ़कर 2,100 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि कोविड-19 महामारी के कारण चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद बिक्री में बढ़ोतरी के चलते हासिल हुई। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 1,897 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। एचयूएल ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी शुद्ध बिक्री 13.21 प्रतिशत बढ़कर 11,966 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 10,570 करोड़ रुपये थी। कंपनी के मुताबिक कोविड महामारी की दूसरी लहर के चलते चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच एचयूएल ने जोरदार प्रदर्शन किया और घरेलू उपभोक्ता वृद्धि 12 प्रतिशत और कर पश्चात मुनाफा 10 प्रतिशत बढ़ा। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में उसका कुल शुद्ध 9,546 करोड़ रुपये था। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 8,324 करोड़ रुपये था। एचयूएल के सीएमडी संजोव मेहता ने कहा, "चुनौतीपूर्ण माहौल में हमने शुद्ध लाभ और शुद्ध आय में मजबूत प्रदर्शन किया है।

**टेस्ला फिर से बिक्री के जरिए पेमेंट स्वीकार करेगी : सीईओ एलोन मस्क**

सन फ्रांसिस्को।

टेस्ला के सीईओ एलोन मस्क ने बताया है कि कंपनी क्रिटोकरेंसी को बढ़ा करने के लिए उपयोग किए जाने वाले ऊर्जा मिश्रण में सुधार पर कुछ उचित निवेश के बाद बिटकॉइन के जरिए पेमेंट स्वीकार करेगी। इलेक्ट्रिक की रिपोर्ट के मुताबिक, बी वर्ड सम्मेलन के दौरान, मस्क ने बुधवार को कहा कि, पहले से ही सुधार हुए हैं और टेस्ला पुष्टि करने के लिए और अधिक परिश्रम करेगा। लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ऑटोमैकर क्रिटो से भुगतान लेना फिर से शुरू कर देगा। मस्क ने कहा, मैं यह पुष्टि करने के लिए थोड़ा और परिश्रम चाहता था कि अक्षय ऊर्जा उपयोग का प्रतिशत 50 प्रतिशत या उससे अधिक होने की संभावना है, और उस संख्या को बढ़ाने की वृद्धि है। यदि ऐसा है तो टेस्ला बिटकॉइन को स्वीकार करना फिर से शुरू कर देगा। टेस्ला के सीईओ ने यह भी पुष्टि की कि टेस्ला के निवेश के शीर्षक बिटकॉइन में उनका एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत निवेश है और उनके पास छोटे पैरिश्रम और डॉगकोइन होल्डिंग्स हैं। पिछले एक साल में, टेस्ला विभिन्न स्तरों पर क्रिटोकरेंसी की दुनिया में गहराई से प्रवेश कर रहा है। इस साल की शुरुआत में टेस्ला ने बिटकॉइन में



1.5 अरब डॉलर का निवेश किया था। कुछ ही समय बाद, ऑटोमैकर ने नए वाहनों पर भुगतान के रूप में क्रिटोकरेंसी को स्वीकार करना शुरू कर दिया। बाद में, सीईओ मस्क ने टेस्ला की क्षमता के बारे में भी बात की, जो डॉगकोइन को अपने वाहनों के भुगतान के रूप में स्वीकार करना शुरू कर देता है। हालांकि, कुछ दिनों बाद, टेस्ला ने बिटकॉइन भुगतान विकल्प को हटाकर क्रिटो के साथ एक कदम पीछे ले लिया। कंपनी ने बिटकॉइन नेटवर्क की ऊर्जा जरूरतों पर चिंता व्यक्त की है। यह एक चिंता कि विषय है कि, टेस्ला समुदाय के कई सदस्यों ने साझा किया जब टेस्ला ने पहली बार अपने बिटकॉइन निवेश की घोषणा की और कई इस तथ्य से नाराज थे कि कंपनी ने इसके बारे में पहले स्थिति पर नहीं सोचा। उस समय, टेस्ला ने नोट किया कि वे बिटकॉइन में अपनी हिस्सेदारी नहीं बेच रहे थे। नेटवर्क द्वारा अक्षय ऊर्जा का एक उच्च मिश्रण धिखाने के बाद उन्होंने बिटकॉइन भुगतान फिर से शुरू करने की योजना बनाई।

**गुरुग्राम में लक्जरी होम डेकोर ने स्टोर लॉन्च किया**

नई दिल्ली।

उपभोक्ता केंद्रित होम डेकोर बांड ड डेकोर कार्ट ने दिल्ली एनसीआर में गुरुग्राम के गैलेरिया मार्केट में अपना चौथा स्टोर लॉन्च किया। उस जगह पर दूसरे स्टोर में भीतर इंटीरियर डेकोरेटर को बढ़ावा देने के लिए लक्जरी होम डेकोर उत्पाद खरीद के लिए रखे हुए हैं। बांड की क्लासिक लालित्य और समकालीन शैली और डिजाइन से सहेदनीशलीता व्यक्तिगत और सुरक्षित खजाने को सामने लाने वाले मटेरियल की परिष्कृत खोज के इर्द-गिर्द घूमती है। नए स्टोर के लॉन्च में घरेलू एक्सेसरीज, किचन और डाइनिंग वेयर, एक्सेट फर्नीचर और गिफ्ट आइटम की नई और व्यापक पेशकश है। इस लॉन्च में रेडीजवस विद ब्लू संग्रह के प्रकटीकरण का भी चरण है - नीले और सफेद चीनी मिट्टी के बरतन के टुकड़ों का एक संग्रह जो कई सौ वर्षों से लोकप्रिय है। संग्रह में जिंजर जार, टेंपल जार, टी जार, दीवार पर लगे फूलदान, सजावटी के तली और घरेलू सामान हैं। मूलभूत आवश्यकता के रूप में टिकाऊपन की विशेषता वाले उत्पादों के लिए मशहूर इस बांड ने बोनो चाइना डिनरवेयर का एक विशेष संग्रह भी लॉन्च किया है। अपने उच्च स्तर के क्रिस सफेद रंग, पारभासी शरीर बेहतर ताकत के लिए जाना जाता है, बोनो चाइना डिनरवेयर चिप-प्रतिरोधी, टिकाऊ और हल्के होते हैं जो कि रोजमर्रा के उपयोग के लिए एकदम सही हैं। स्टार लैप, एक्सट फर्नीचर के टुकड़े और दीवार की सजावट का एक संग्रह प्रदर्शित करेगा जो वर्तमान में इस स्टोर के लिए विशिष्ट हैं। कई अन्य बाजारों की खोज करके व्यवसाय को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, बांड अगले साल मुंबई में प्रमुख स्थानों पर 2-3 स्टोर के साथ अपने भौतिक पदचिह्न का विस्तार करने की योजना बना रहा है। बांड को वैश्विक दर्शकों से कई प्रश्न मिल रहे हैं, इसलिए, निकट भविष्य में संयुक्त अरब अमीरात में एक सुविधा खोलने की योजना है। बांड इस बाजार में काफी संभावनाएं देखता है क्योंकि सीमित डिजाइन क्षमताओं वाले कुछ ही अंतर्राष्ट्रीय बांड वहां काम करते हैं जब दर्शक डिजाइन और अधिक बहुमुखी बेहतर और हकदार होते हैं। बांड के लिए नए भौतिक रास्ते तलाशने के अलावा, टीडीके वेबसाइट पर ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने में भी भारी निवेश कर रहा है, और यूआई/यूएक्स डिजाइन के साथ भागीदारी की है, और ग्राहकों के लिए एक सहज अनुभव बनाने वाली वेबसाइट को आवृणाल कर रहा है।

**आरआईएल बोर्ड में आधिकारिक तौर पर शामिल हुए अरामको चेयरमैन**



मुंबई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने गुरुवार को कहा कि कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के रूप में अरामको के चेयरमैन यासिर अल रमायन की नियुक्ति 19 जुलाई से प्रभावी हो गई है।

24 जून को, आरआईएल बोर्ड ने कंपनी के एक अतिरिक्त निदेशक के रूप में यासिर ओ. अल-रमायन की नियुक्ति को मंजूरी दी थी, जिन्हें एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नामित किया गया था। इसके अतिरिक्त, उसी दिन, कंपनी ने सूचित किया था कि कंपनी के एक स्वतंत्र निदेशक वाई. पी. त्रिवेदी ने दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी 2021 को आयोजित 44 वीं वार्षिक आम बैठक (पोस्ट

आईपीओ) के समापन से प्रभावी कंपनी के निदेशक के रूप में अपना कार्यालय छोड़ दिया है। त्रिवेदी 1992 में कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल हुए। यासिर ओ. अल-रमायन 2015 से सऊदी अरब के सार्वजनिक निवेश कोष के गवर्नर हैं, जो सॉवरन वेल्थ फंड के संचालन के सभी क्षेत्रों का नेतृत्व करते हैं। बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की 44वीं वार्षिक आम बैठक में 24 जून को मुकेश अंबानी ने दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरामको की डील से जुड़ा एक बड़ा ऐलान किया था। मुकेश अंबानी ने सऊदी अरामको के चेयरमैन और सऊदी अरब के पब्लिक वेल्थ फंड के गवर्नर यासिर अल-रमायन को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बोर्ड में शामिल करने की घोषणा की थी। तब आरआईएल की 44वीं एजीएम को संबोधित करते हुए मुकेश अंबानी ने कहा था कि पिछली वार्षिक आम बैठक के बाद से हमारी व्यापार और वित्तीय सफलता अपेक्षाओं से अधिक रही है, लेकिन इस कठिन समय के दौरान आरआईएल के मानवीय प्रयासों ने हमें हमारे व्यावसायिक प्रदर्शन से ज्यादा खुशी दी है।

**ब्लैकबक ने 67 मिलियन डॉलर जुटाए, भारत से यूनिफॉर्म क्लब में किया प्रवेश**



बेंगलुरु।

ऑनलाइन ट्रकिंग प्लेटफॉर्म ब्लैकबक ने घोषणा की है कि उसने ट्राइब कैपिटल, आईएफसी इमर्जिंग एशिया फंड और वीईएफ के नेतृत्व में 67 मिलियन डॉलर के इक्विटी वित्तपोषण को बंद कर दिया है। इसका मूल्यांकन 1 बिलियन डॉलर हो गया है, इसके साथ ही यह देश का एक और यूनिफॉर्म बन गया है। ब्लैकबक के पास अपने प्लेटफॉर्म पर

700,000 से अधिक ट्रक और 1.2 मिलियन से अधिक ट्रक हैं। सालाना लेनदेन में 15 मिलियन से अधिक और वर्तमान में सभी ऑनलाइन ट्रकिंग गतिविधियों के 90 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी चला रहे हैं। ब्लैकबक के सह-संस्थापक और सीईओ राजेश याबाजी ने कहा, ब्लैकबक ने ट्रकिंग की फिर से कल्पना करने के सपने के साथ शुरुआत की, इसे 10एक्स सरल और 10एक्स कुशल बनाने के लिए। छह साल हो गए हैं और हम अभी शुरुआत कर रहे हैं। मौजूदा निवेशकों वेलिंगटन मैनेजमेंट, सैंड्स कैपिटल और इंटरनेशनल फाइंड्स कॉर्पोरेशन ने भी दौर में भाग लिया। कंपनी के पास

एसएमई और हिंदुस्तान यूनिटीवर, रिलायंस, कोका कोला, एशियन पेंट्स, टाटा, वेदांत, एलएंडटी और जिंदल जैसे बड़े कॉर्पोरेट सहित 10,000 से अधिक ग्राहक हैं। ट्राइब के सह-संस्थापक और पार्टनर अर्जुन सेठी ने कहा, भारत की आपूर्ति श्रृंखला और रसद उद्योग काजग और पॉसिल से डिजिटल करने और बढ़ रहा है। उत्पादन और उत्पादकता वृद्धि को मापने की ब्लैकबक की क्षमता ने उद्योग के लिए कम समय-सीमा में लॉजिस्टिक चुनौतियों को सुव्यवस्थित किया है। कंपनी इन फंडों का उपयोग बाजार में और आगे बढ़ने और अपने ग्राहकों के लिए नई सेवा पेशकशों को लॉन्च करने के लिए करेगी।



## बेहतर संवाद से मजबूत रक्षण में भी संध लगा सकते हैं : हाकी स्ट्राइकर मदीप

**टोक्यो ।** भारतीय हॉकी टीम के स्ट्राइकर मदीप सिंह ने कहा कि उनकी टीम में शुक्रवार से शुरू होने वाले टोक्यो ओलंपिक खेलों में किसी भी प्रतिद्वंद्वी के रक्षण में संध लगाने में सक्षम है। मदीप ने 2013 में सोनियर टीम की तरफ से पदार्पण किया था और वह भारतीय टीम के सबसे अनुभवी स्ट्राइकर हैं। जालंधर के रहने वाले इस 26 वर्षीय फारवर्ड ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मुझ पर किसी तरह का अतिरिक्त दबाव है क्योंकि बाकी खिलाड़ियों से मुझे अच्छा सहयोग मिलता है। हमारे बीच मैदान अच्छा संवाद बना रहता है और किसी अच्छे दिन पर हम सबसे मजबूत रक्षापंक्ति में भी संध लगा सकते हैं। मदीप देश की तरफ से 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं लेकिन वह पहली बार ओलंपिक में खेलेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम पिछले डेढ़ साल से बेगलुरु के साइ ( भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में जैव सुरक्षित वातावरण में अभ्यास कर रही है और ओलंपिक में भाग ले रही अन्य टीमों से बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि हम कोविड प्रोटोकॉल से अच्छी तरह से अवगत हैं। यहां हमारा हर सुबह परीक्षण होता है। यह बेहद आसान प्रक्रिया है और शाम तक परिणाम भी आ जाता है। मदीप ने कहा कि अब तक बहुत अच्छा रहा है। हवाई अड्डे पर परीक्षण और अन्य औपचारिकताओं के कारण समय लगा लेकिन जब से हम खेल गांव में पहुंचे हैं सब कुछ बहुत अच्छा है।

# ओलंपिक : उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेगा 28 सदस्यीय भारतीय दल



गया है। इसी के बाद भारतीय दल ने अपनी संख्या का खुलासा किया। बत्रा के मुताबिक 23 जुलाई को होने वाले उद्घाटन समारोह में हॉकी से 1, मुक्केबाजी से 8, टेबल टेनिस से 4, रोविंग से 2, जिम्नास्टिक से 1, तैराकी से 1, नौकायन से 4, तलवारबाजी से 1 खिलाड़ी होगा जबकि 6 अधिकारियों को भी इस सूची में शामिल किया गया है। वैसे तो हाकी खिलाड़ी उद्घाटन समारोह में हिस्सा नहीं लेंगे लेकिन चूंकी पुरुष टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ध्वजवाहक हैं, लिहाजा वह इसमें हिस्सा लेंगे। महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकोम भी ध्वजवाहक हैं और वह भी इस समारोह में हिस्सा लेंगी। उद्घाटन समारोह में तीरंदाजी, जूडो, बैडमिंटन, भारोत्तोलन, टेनिस, हाकी (महिला एवं पुरुष) तथा शूटिंग से जुड़े खिलाड़ी शामिल नहीं होंगे।

आईओए के मुताबिक चूंकी इन खेलों से जुड़े खिलाड़ियों के मैच 23 को या 24 को हैं और इसके लिए उन्हें तैयारी करनी होगी, लिहाजा इन्हें उद्घाटन समारोह से अलग रखा गया। उद्घाटन समारोह का मार्च पास्ट जापानी वर्णमाला के अनुसार होगा और इस लिहाज से भारत का नम्बर 21वां होगा। टोक्यो ओलंपिक का उद्घाटन समारोह शुक्रवार को ओलंपिक स्टेडियम में होगा। स्टेडियम, जो प्रमुख ट्रैक और फील्ड कार्यक्रमों के साथ-साथ महिला फुटबॉल में स्वर्ण पदक मैच की मेजबानी करेगा, 8 अगस्त को समापन समारोह की भी मेजबानी करने वाला है। अन्य दल भी सीमित संख्या में एथलीटों को उद्घाटन समारोह में भेज रहे हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 50 और ब्रिटेन ने दल को 30 तक सीमित रखा है।

## ओलंपिक

## टोक्यो में बड़ी उम्मीदों के साथ उतरेगा भारत

**मुंबई ।** टोक्यो ओलंपिक के शुरू होने में 24 घंटे से भी कम का समय बच रहा है और 127 सदस्यीय भारतीय दल यहां बड़ी उम्मीदों के साथ उतरेगा और उसकी नजरें अपने ओलंपिक इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर होंगी। ओलंपिक का आयोजन ऐसे समय हो रहा है जब पूरी दुनिया में कोरोना का कहर बरप रहा है। इस महामारी से ओलंपिक खेल गांव भी अछूता नहीं है और यहां कोरोना के मामले सामने आए हैं। मेजबान देश जापान में लोग महामारी के समय और दर्शकों के बिना ओलंपिक के आयोजन को लेकर गुस्से में हैं लेकिन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) और जापान सरकार इस तथ्य को जानते हुए भी इन खेलों का आयोजन करा रहा है।

हालांकि, एथलीटों ने इस दिन के लिए पांच साल का इंतजार और मेहनत की है और इनकी निगाहें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर अपने-अपने देश के लिए पदक लाने पर होंगी। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में रिकार्ड संख्या में एथलीटों को भेजा है जिसके कारण इस बार एथलीटों से काफी उम्मीदें भी हैं। भारत का ओलंपिक में इतिहास कुछ खास नहीं रहा है और उसने पिछले 100 वर्षों से अधिक समय में नौ स्वर्ण, सात रजत और 12 कांस्य पदक सहित 28 पदक ही जीते हैं। भारत ने हॉकी में 1928 से 1980 (1976 को छोड़कर) लगातार पदक जीते हैं। भारत ने हॉकी में आठ स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीता है। हॉकी के अलावा 2008 बीजिंग ओलंपिक में अभिनव बिंद्रा ने भारत को 10 मीटर एयर राइफल

में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाया था। भारत ने 2012 लंदन ओलंपिक में पदक के आधार पर अपना बेस्ट प्रदर्शन किया था। भारत की ओर से शूटर विजय कुमार और सुशील कुमार के द्वारा दो रजत, मुक्केबाज एमसी मैरीकोम (महिला फ्लायिंग) बैडमिंटन खिलाड़ी सायना नेहवाल (महिला एकल), पहलवान योगेश्वर दत्त (पुरुष फ्रीस्टाइल 60 किग्रा) और निशानेबाज गगन नारंग (पुरुष 10 मीटर एयर राइफल) के जरिए चार कांस्य पदक जीते थे। हालांकि, 2016 रियो ओलंपिक में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और उसने सिर्फ दो पदक ही जीते थे। भारत की ओर से पीवी सिंधु ने बैडमिंटन में रजत और पहलवान साक्षी मलिक (महिला फ्रीस्टाइल 58 किग्रा) में कांस्य पदक जीता था।

## टोक्यो ।

टोक्यो ओलंपिक उद्घाटन समारोह में अधिक से अधिक 22 खिलाड़ी और 6 अधिकारी हिस्सा लेंगे। भारतीय ओलंपिक

संघ के अध्यक्ष नरेंद्र ध्रुव बत्रा ने गुरुवार को यह जानकारी दी। आयोजकों द्वारा कोविड-19 महामारी को देखते हुए सभी देशों से उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या में कमी के लिए कहा

## ओलंपिक : उस्ताह की कमी के बीच शुरू होगा टोक्यो ओलंपिक

**टोक्यो ।** खेलों के महाकुंभ कहे जाने वाले ओलंपिक का आयोजन उस्ताह की कमी के बीच जापान की राजधानी टोक्यो में शुक्रवार से होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जापान के स्थानीय नागरिकों में कोरोना महामारी के बीच ओलंपिक कराने को लेकर अलग-अलग राय है। द गार्जियन न्यूजपेपर में छपी रिपोर्ट में कहा, टोक्यो के स्थानीय नागरिकों में इसके आयोजन को लेकर भिन्न राय है। सिर्फ टोक्यो ही नहीं जापान में कई लोगों की ऐसी ही राय है। करीब 80 फीसदी जनता कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच ओलंपिक कराने और इवेंट के दौरान दर्शकों को दूर रखने के खिलाफ है। जापान की सड़कों पर उस्ताह नहीं है। ओलंपिक के लिए टोक्यो आ रहे लोगों को विभिन्न चेकपॉइंट से गुजरना पड़ रहा है। हर चेकपॉइंट पर पेपरवर्क की जांच हो रही है और सवाल पूछे जा रहे हैं। पत्रकार और अधिकारी अगले 15 दिनों के लिए अपने होटल, स्थानों और मुख्य प्रेस केंद्र तक ही सीमित रहेंगे। रिपोर्ट में कहा, टोक्यो में उस्ताह का वातावरण स्पष्ट रूप से अनुपस्थित है। स्थानीय अखबारों ने भी हाल ही में ओलंपिक की मेजबानी को लेकर सवाल उठाए थे।



# हां, मेरे पास गोल्डन स्लैम जीतने का मौका : नोवाक जोकोविच

## टोक्यो ।

सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को पता है कि उनके पास 'गोल्डन स्लैम' पूरा करने वाला पहला खिलाड़ी बनने का मौका है लेकिन विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज इस खिलाड़ी का ध्यान एक बार में एक ही मुकाबले पर है। गोल्डन स्लैम का मतलब एक ही वर्ष में चारों ग्रेण्डस्लैम और ओलंपिक एक्ल स्वर्ण जीतना होता है। जोकोविच वह इस साल ऑस्ट्रेलिया ओपन, फ्रेंच ओपन और विम्बलडन जीत चुके हैं जबकि यूएस ओपन का आयोजन होना बाकी है। जोकोविच अगर यह उपलब्धि हासिल करने में सफल रहे तो वह रोजर फेडरर और राफेल नडाल जैसे सर्वकालिक दिग्गजों को पीछे छोड़ सकते हैं। जोकोविच ने यहां कहा कि मैं किसी बहस (महान खिलाड़ी बनने के मामले में) में नहीं

पडना चाहता हूं मैं नहीं चाहता हूं कि किसी से मेरी तुलना की जाए। इस संभावित ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए अभी बहुत लंबा सफर तय करना बाकी है। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि अभी बहुत सारे मुकाबले हैं। मुझे पता है कि इतिहास रचने का मौका है। इससे मुझे अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। मैंने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। मैं हालांकि चाहता हूं कि आप इतिहास के बारे में तभी बात करें जब सब कुछ ठीक से हो। उन्होंने कहा कि अभी मेरा ध्यान सिर्फ अगली चुनौती पर है। टेनिस इतिहास में गोल्डन स्लैम पूरा करने में सिर्फ स्टेफी ग्राफ (1988) और जेम्स कैपेस (1988) हैं। जोकोविच ने कहा कि मैं स्टेफी के संपर्क में नहीं हूं, लेकिन अगर आप उससे बात करवा सकते हैं, तो मुझे यह पूछने में खुशी होगी कि उसने यह कैसे किया। जोकोविच ने कहा कि उन्होंने स्टेफी के पति आंद्रे अगामी के साथ



कुछ समय के लिए काम किया था। उन्होंने कहा कि जब मैं उसके (गोल्डन स्लैम) बारे में सोचता था तो मुझे लगता था कि यह असंभव जैसा है। लेकिन मेरे पास इसे करने का एक मौका है। बेशक यह मेरे लक्ष्यों और सपनों में से एक है। जोकोविच टोक्यो में अपने अभियान अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) और जापान सरकार इस तथ्य को जानते हुए भी इन खेलों का आयोजन करा रहा है।

# फीडे शतरंज ओलंपियाड की घोषणा - फिर ऑनलाइन होगा शतरंज का महाकुंभ



## मारको, रूस (निकलेस जैन)

वैसे तो इस समय रूस में फीडे विश्व कप शतरंज के ऑन द बोर्ड

मुकाबले सफलता पूर्वक खेले जा रहे हैं और विश्व शतरंज संघ कोरोना के बचाव के साथ अब तक इसे शानदार ढंग से संचालित

कर रहा है, पर शतरंज का सबसे बड़ा टिम टूर्नामेंट शतरंज ओलंपियाड एक बार फिर ऑनलाइन चैस डॉट कॉम सर्वर पर खेला जाएगा खेला जाएगा। पिछले वर्ष भारत और रूस दोनों शतरंज ओलंपियाड के सयुक्त विजेता घोषित किए गए थे। एक बार फिर भारत खिताब जीतने का प्रबल दावेदार होगा। 13 अगस्त से 12 सितंबर तक इसे पांच चरणों में खेला जाएगा और हर चरण की तीन प्रमुख टीम टॉप डिविजन में प्रवेश करेंगी। प्रतिযোগिता में दुनिया के 170 से ज्यादा देशों के करीब 1500 खिलाड़ी भाग लेंगे। हालांकि भारत समेत 5 शीर्ष वरीय देशों को सीधे टॉप डिविजन में प्रवेश दिया गया है। 13 सितंबर से 17 सितंबर के दौरान इसके प्ले ऑफ मुकाबले खेले जाएंगे। टीम में 2 पुरुष, 2 महिला और 2 जूनियर खिलाड़ी होंगे। भारतीय टीम में वर्तमान रेटिंग के आधार पर संभावित टीम कुल यू हो सकती है - विश्वनाथन आनंद, पेंडाला हरीकृष्णा, विदित गुजरती, कोनेरु हम्पी, हरिका द्रोणाचल, तनिषा सन्धेव, निहाल सरिन, प्रगानंथा, आर वैशाली और दिव्या देशमुख।



## ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के साथ टी20 सीरीज की पुष्टि की

### ढाका ।

ऑस्ट्रेलिया तीन से नौ अगस्त तक पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौर करेगा। इसकी पुष्टि हो गई है और सीरीज के सभी मैच मीरपुर के शेर-ए-बांला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह दौरा सितंबर 2017 के बाद से ऑस्ट्रेलिया का पहला बांग्लादेश दौरा होगा। पिछली बार कंगारू टीम ने दो टेस्ट के लिए देश का दौरा किया था। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने अपना 2015 का दौरा रद्द कर दिया था और सुरक्षा कारणों से 2016 के अंडर-19 विश्व कप से बाहर हो गया था। 29 जुलाई को क्रमशः वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे का दौरा पूरा करने के बाद ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश दोनों के ढाका पहुंचने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया बारबाडोस से ढाका के लिए चार्टर फ्लाइट से आएगा। आगमन पर, दोनों टीमों में तीन दिनों तक क्वारंटीन रहेगी। क्वारंटीन की छोटी अवधि खत्म होने के बाद दोनों टीमों सीरीज से पहले एक अगस्त से स्टेडियम में अभ्यास शुरू करेंगी।

## गिनी कोविड-19 के कारण टोक्यो ओलंपिक से हटा

**टोक्यो ।** अफ्रीका के एक छोटे से देश गिनी ने शुक्रवार से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों से कोविड-19 के फिर से उभरने का हवाला देते हुए अपना नाम वापस ले लिया है। गिनी के खेल मंत्री सानोसी बंतामा सो ने देश के पांच एथलीटों के हटने की घोषणा की। इनसाइडरिज डॉट कॉम ने सो के हवाले से कहा है, कोविड-19 वैरिएंट के पुनरुत्थान के कारण, सरकार, गिनी के एथलीटों के स्वास्थ्य को संरक्षित करने से संबंधित है, ने टोक्यो ओलंपिक में गिनी की भागीदारी को रद्द करने के लिए खेद के साथ फैसला किया है। पहलवान फतोमाता यारी कमार, जुडोका ममादो सांबा बाह, तैराक फतोमाता लामराना तोरे और ममादो ताहिरौ बाह और धावक एसता दीन कोटे ओलंपिक में पश्चिम अफ्रीकी राष्ट्र के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले थे। गिनी खेलों से हटने वाला पहला देश नहीं है। उत्तर कोरिया ने अप्रैल में घोषणा की थी कि वह कोविड-19 महामारी के कारण टोक्यो 2020 में शामिल नहीं होगा। गिनी ने 11 ओलंपिक खेलों में भाग लिया है। इसने 2016 में रियो में आयोजित पिछले संस्करण में पांच एथलीटों को भेजा था।



# मेरी बल्लेबाजी से शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का मनोबल बढ़ेगा : चाहर

## कोलंबो ।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में नाबाद 69 रन बनाकर टीम को मैच जिताने वाले भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने कहा है कि उनकी बल्लेबाजी से शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का मनोबल बढ़ेगा।

चाहर ने कहा कि वह ऑलराउंडर का टैग या टी 20 विश्व कप में चयन को लेकर चिंतित नहीं है और वह अपनी बल्लेबाजी में सुधार को लेकर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। चाहर ने कहा, लोग मुझे ऑलराउंडर माने या ना

मानें इससे फर्क नहीं पड़ता लेकिन जो बल्लेबाज मेरे साथ होगा उसे यह भरोसा होगा कि मैं उसका समर्थन कर सकता हूँ। अगर मैं दूसरे वनडे की स्थिति में बल्लेबाजी कर रहा हूँ तो यह जरूरी है कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को पता हो कि यह बल्लेबाज मैच जिताने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, मैंने अपनी बल्लेबाज पर कड़ी मेहनत की है। मेरे पिता मेरे कोच थे। जब मैं उनसे बात करता हूँ और अगर हमारे बीच 10 मिनट बात होती है तो उसमें से छह-सात मिनट बल्लेबाजी पर बात होती

है। चाहर ने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि बेसिक्स बहुत जरूरी है। अगर आपको बेसिक्स सही है तो आप अच्छा करेंगे। अगर आप स्विंग गेंदबाज बनना चाहते हैं तो तेजी बहुत जरूरी है। चाहर महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व वाली चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल में खेलते हैं। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान के लिए कहा कि धोनी का उनपर काफी प्रभाव रहा है। चाहर ने कहा, धोनी का सिर्फ चेन्नई पर ही प्रभाव नहीं है। मैंने उन्हें बचपन से देखा है। जब भी हम उससे बात करते हैं वह हमेशा

कहते हैं कि हमें खेल को अंत तक ले जाने की जरूरत है। अगर मैच अंत तक खिंचेगा तो यह मजेदार होगा और लोग इसका आनंद लेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह टी20 विश्व कप टीम में चयन को लेकर ज्यादा ध्यान नहीं केंद्रित कर रहे हैं। चाहर ने कहा, टी20 विश्व कप थोड़ा दूर है। चयन हमारे हाथ में नहीं है। सिर्फ प्रदर्शन करना हमारे हाथ में है। मैं सौभाग्यशाली हूँ कि मुझे अपनी बल्लेबाजी सुधारने का मौका



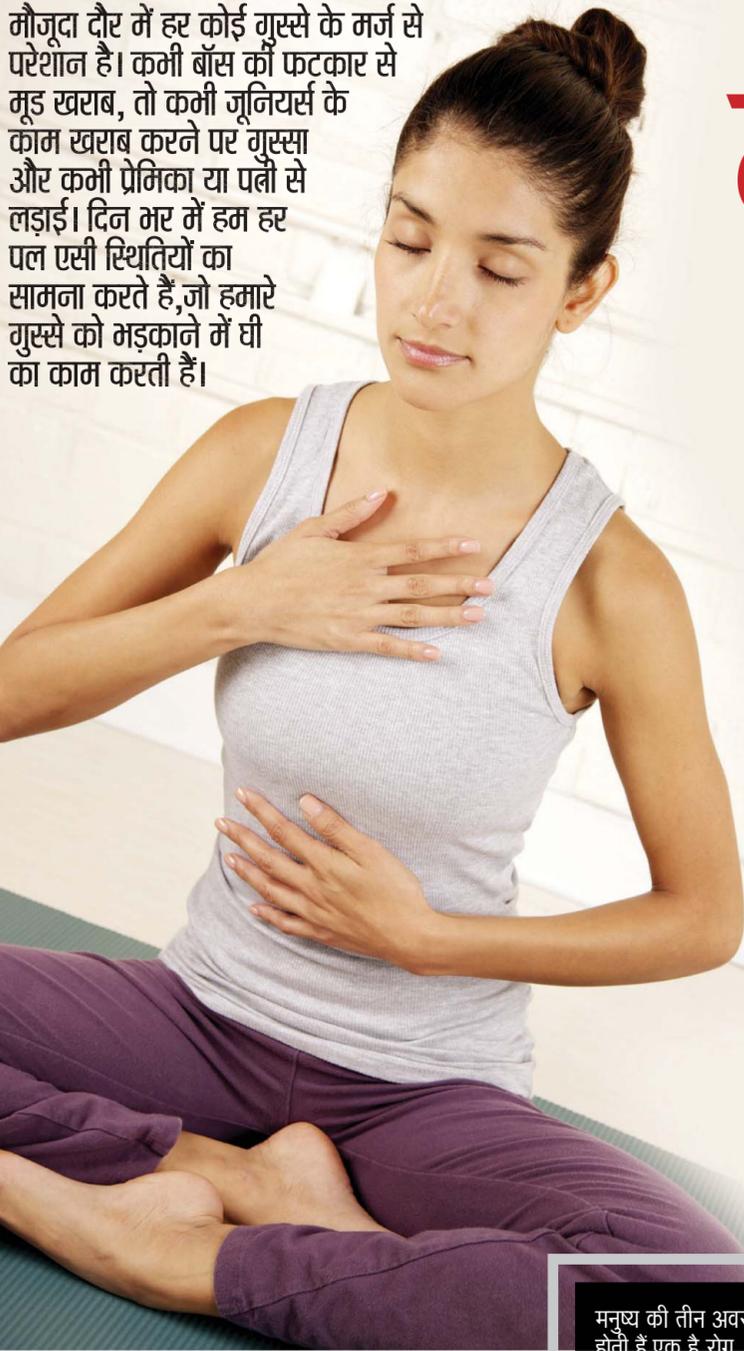
मिला। मैं बल्लेबाजी करने के लिए अवसर की तलाश कर रहा था। चाहर ने कहा कि उन्हें गहलू द्रविड से काफी फायदा हुआ है, जो श्रीलंका में सीमित ओवरों की टीम के कोच हैं।

## जीत के लिए अटैक और डिफेंस में संतुलन बनाना महत्वपूर्ण : चेन्नईयन एफसी कोच

**चेन्नई ।** इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम चेन्नईयन एफसी के नवनिर्वाहक कोच बोजिदार बानडेविच का कहना है कि मैच में जीत के लिए अटैक और डिफेंस में संतुलन बनाना जरूरी है। चेन्नईयन का पिछले सीजन में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और वह आठवें नंबर पर रही थी। चेन्नईयन ने इस सीजन के लिए बानडेविच को मुख्य कोच बनाया है। बानडेविच ने कहा, अगर आप आपत्तिजनक रूप से खेलोगे तो आपको हार मिलेगी। सबसे जरूरी चीज है खिलाड़ी में सुधार लाना। हालांकि नतीजे भी मायने रखते हैं। मैं खेल में नियंत्रण रख स्कोर करने के मौके धुनाना पसंद करता हूँ। लेकिन दुनियाभर की कई लीगों में टीम ने कम गोल करके भी जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, मैच में संतुलन जरूरी है। आप को अच्छे से डिफेंड करने की जरूरत है। आप एक बेहतर खिलाड़ी से मैच जीत सकते हैं लेकिन लीग नहीं जीत सकते। अगर आपको लीग जीतना है तो एक खिलाड़ी से नहीं बल्कि पूरी टीम को प्रदर्शन करना होगा। बानडेविच ने कहा, मुझे दबाव से कोई दिक्कत नहीं है। मैंने कई वर्षों तक काम किया है। मैं दो बार सहायक कोच और दो बार मुख्य कोच रह चुका हूँ। यह बहुत बड़ा दबाव होता है। जाहिर है कि कई बार दबाव होता है लेकिन इससे पार पाना ही हमारा काम है। अगर मैं दबाव नहीं झेल सकूँ तो मुझे अपना काम बदलना पड़ेगा।



मौजूदा दौर में हर कोई गुस्से के मर्ज से परेशान है। कमी बॉस की फटकार से मूड खराब, तो कमी जूनियर्स के काम खराब करने पर गुस्सा और कमी प्रेमिका या पत्नी से लड़ाई। दिन भर में हम हर पल एसी स्थितियों का सामना करते हैं, जो हमारे गुस्से को भड़काने में घी का काम करती हैं।



# गुस्से को करें योग से छूमंतर

## पावर ऑफ योग

श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भागवत में कहा है कि गुस्से से इंसान का विवेक खत्म हो जाता है। वह अच्छे-बुरे में फर्क नहीं कर पाता। दरअसल गुस्सा एक तरह का नकारात्मक सम्मोहन है, जिससे बुद्धि का नाश होता है और अंततः यह इंसान को दिशाहीन कर देता है।

## नकारात्मक संवेग

इस धरती पर गुस्सा सबसे खतरनाक नकारात्मक संवेग है। वेदों के मुताबिक केवल यही वह संवेग है, जिस पर यदि समय रहते नियंत्रण नहीं किया जाए या इंसान की मनस्थिति को जल्द न बदला जाए, तो यह उसके अस्तित्व के लिए खतरा बन सकता है, क्योंकि गुस्से से प्राण शक्ति और पुण्य नष्ट हो जाते हैं। गुस्स में व्यक्ति विवेकहीन होकर कई गलत काम कर बैठता है, उसके अच्छे कर्मों का क्षय होता है।

## गुस्से से हृदय रोग

विस्तृत शोधों के बाद चिकित्सा विज्ञान भी इस नतीजे पर पहुंचा है कि गुस्से से हृदय रोग और अकाल मौत होने तक की आशंका बढ़ जाती है। इसकी वजह यह है कि क्रोध से हमारे शरीर में तनाव पैदा करने वाले हॉर्मोन बढ़ते हैं, जिससे खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के साथ ही और खतरनाक परिवर्तन भी हो सकते हैं। नतीजतन हृदय का

पोषण करने वाली धमनियां ब्लॉक हो सकती हैं। क्रोधी व्यक्ति का स्वास्थ्य और हेल्थ हेबिट्स दोनों ही गड़बड़ होते हैं।

## फायदेमंद है योग

स्ट्रेस हॉर्मोन के बढ़ने से दूसरी असाध्य बीमारियां भी हो सकती हैं। खुशकिस्मती से हमारे यहां योग में क्रोध को शांत करने और उसका उपचार करने के कई तरीके हैं। यहां एक आसन का विवरण दिया जा रहा है, जो हमारे दिमाग के उस हिस्से पर सीधा सकारात्मक असर डालता है, जो क्रोध पैदा करने के लिए उत्तरदायी है। इस आसन के और भी बहुत से शारीरिक और मानसिक फायदे हैं।

## तकनीक

घुटनों को सीधा रखते हुए बिल्कुल सीधे खड़े हों। सीधे झुकते हुए एड़ी के पीछे पांवों के पास धरती पर अपनी हथेलियां टिकाएं। यदि आपकी हथेलियां धरती को नहीं छू पाती हैं तो घुटनों तक झुकें या घुटनों को सीधा रखें। अब सिर को ऊंचा करने की कोशिश करें और पीठ को खींचें। इसी स्थिति में रहते हुए सामान्य ढंग से सांस लें। पांच सैकंड या इससे कम समय के लिए इसी मुद्रा में रहें और फिर सांस खींचते हुए तड़ान की स्थिति में आएँ। इस तरह दो-तीन बार इसे दोहराएँ।

## आसन के फायदे

यह आसन उनके लिए वरदान है, जिनका स्वभाव

क्रोधी है या जो जल्द गुस्से में आ जाते हैं। यह ब्रेन सेल्स का तनाव दूर करते हैं, खासकर एमिगडला का। इससे बहुत शान्ति मिलती है। यह लीवर, स्प्लीन और किडनी को भी स्वस्थ रखता है। इससे ब्लडप्रेशर और हृदय रोग से बचाव होता है।

## सर्वांगसन

इस आसन के जरिए आप अत्यधिक गुस्से को तो नियंत्रण में कर ही सकते हैं। साथ ही सिरदर्द, एनिमिया और अपच जैसी बीमारियों को दूर कर शरीर में नई ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। अपने हाथ और पैर सीधे कर के जमीन पर लेट जाएँ और गहरी सांस लेते हुए अपने दोनों पैरों को सीधे ऊपर की ओर उठाएँ। अपने हिप्स को ऊपर उठाते हुए पैरों को सीधा करे और बाद में सिर की ओर 45 डिग्री का कोण बनाने की कोशिश करें। सांस लेते हुए अपने दोनों हाथों से पीठ को सहारा दें। इस स्थिति में अंगुठे शरीर के अगले हिस्से और बाकी उंगलियां पीठ पर होनी चाहिए। पैरों को ऊपर की ओर उठाएँ। अपनी पीठ को बिल्कुल सीधा कर लें और अपनी टोढ़ी को बिल्कुल गले के पास लगाएँ। धीरे-धीरे सांस लें। इस प्रक्रिया को कई बार दोहराते रहें। आसन के वक्त मन को पूरी तरह शांत रखें। जरूरत से ज्यादा आसन करने से बचें।

## सही आदत जो बीमारी

आज चार वर्ष के बच्चे को भी चश्मा पहने देख सकते हैं और अस्सी साल के बुढ़ को भी... दोनों को कोई अंतर नहीं है दस साल के बच्चे को भी शुगर की बीमारी है तो 30 साल के युवा को भी। एसे में यदि कहा जाए कि अत्याधुनिक लाइफ स्टाइल ही हमारी ज्यादा और नई बीमारियों का कारण है, तो गलत नहीं होगा। इसके लिए कुछ हद तक तो हमारा लाइफस्टाइल जिम्मेदार है तो कुछ हमारी अपनी आदतें भी जिम्मेदार हैं। जिन्हें अगर हम सुधार लें तो कई बीमारियों से बच सकते हैं।

बड़े-बुजुर्ग कह गए हैं, जैसा अन्न, वैसा मन। यह सौ फीसदी सही है। चूँकि नया लाइफस्टाइल अपनाने के चक्कर में सबसे पहले हम बदलते हैं डाइट। आजकल लोग दो मिनट में तैयार होने वाले फूड को प्रिफर करते हैं ताकि समय बचे जिसे वे और कहीं यूटिलाइज कर सकें। लेकिन अगर आपके पास स्वास्थ्य ही नहीं है तो फिर धन किस काम का। कहा भी गया है, पहला सुख निरोगी काया। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि आप ताज्ज्म स्वस्थ रहें और किसी भी तरह की कोई बीमारी आपको न लगे तो सबसे पहले आप अपनी डाइट में सुधार करें और अपनी डाइट में हेल्दी और न्यूट्रीशियस खाद्य पदार्थों को शामिल करें।

## तनाव न बाबा न...

यह तो हम सब मानेंगे ही कि आजकल की हमारी जैसी जीवनशैली है उसमें आराम के पल कम और तनाव के पल ज्यादा मिलते हैं। जिसका सीधा सा असर हमारे शरीर पर पड़ता। जिस कारण कम उम्र में ही लोग ब्लड शुगर, हाईब्लड प्रेशर और न जाने कौन-कौन सी बीमारियों के घेरे में आ जाते हैं। इसलिए बीमारियों को कहना है गुडबाय तो पहले टेंशन को कहना होगा गुडबाय और स्माइल और खुशी को करना होगा वैलकम।

## व्यायाम है जरूरी

स्वस्थ रहने के लिए अन्य जो बातें महत्वपूर्ण हैं उसमें सबसे पहली बात है कि सिगरेट और शराब का सेवन बिल्कुल न करें। इसके अलावा नियमित रूप से चाहें आप किसी भी उम्र के क्यों न हों व्यायाम या योग करें। इससे एक तो आपकी अतिरिक्त चर्बी और कैलोरी कम होती है दूसरे आपका शरीर अंदर से स्वस्थ महसूस करता है। इसलिए हर रोज कम से कम आधा घंटा व्यायाम तो जरूर ही करें।



मनुष्य की तीन अवस्थाएं होती हैं, एक है रोग, दूसरा है निरोग और तीसरा है नैरोग्य। नैरोग्य यानी वेलनेस। यह जो वेलनेस है उसकी अनुभूति हमसे बिछुड़ गई है, वह अनुभूति जो तब पैदा होती है जब देह और मन एक स्वर में गुनगुनाते हैं। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने अब स्वीकार कर लिया है कि देह और मन के बीच एक गहरा संबंध होता है, वह एक इकाई है।

तनाव भरे समय में ऐसा इंसान मिलना मुश्किल है जिसे कोई न कोई शारीरिक तकलीफ या कोई मानसिक उलझन न हो। लोगों को अवसर यह महसूस होता है कि जैसे तो उन्हें अपने स्वास्थ्य में कुछ गड़बड़ नहीं दिखाई देती, लेकिन कुछ ऐसा भी है जो दुरुस्त नहीं लगता। कुछ बेवैनी सी, कुछ असंतुलन सा। मनुष्य की तीन अवस्थाएं होती हैं— एक है रोग, दूसरा है निरोग और तीसरा है नैरोग्य। नैरोग्य यानी वेलनेस। यह जो वेलनेस है उसकी अनुभूति हमसे बिछुड़ गई है, वह अनुभूति जो तब पैदा होती है जब देह और मन एक स्वर में गुनगुनाते हैं। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने अब स्वीकार कर लिया है कि देह और मन के बीच एक गहरा संबंध होता

है, वह एक इकाई है। लगभग आधी से अधिक शारीरिक व्याधियां मानसिक तनाव के कारण होती हैं। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि हमें बौद्धिक समझ प्रदान करने वाले हमारे सचेत मन, यानी कॉशन्स माइंड की पतली सी परत हमारे समूचे अस्तित्व का सिर्फ दसवां हिस्सा होती है। जैसे किसी फल का छिलका होता है वैसे ही सचेत मन अवचेतन मन का एक छिलका भर होता है।

इसी छिलके को हम शिक्षित करते हैं, सभ्य, सुसंस्कृत बनाते हैं, नीति, धर्म इत्यादि सिखाते हैं लेकिन इस चेतन परत के मुकाबले मस्तिष्क की अवचेतन परतें अधिक महत्वपूर्ण हैं। अगर हमारा नाता अपने ही अवचेतन से टूट गया तो हमारा जीवन स्वस्थ और संतुलित नहीं रह पाता। जब भी आदमी किसी रोग से ग्रसित होता है तो उसकी जड़ें उसके गहन अवचेतन मन में होती हैं। कोई दवाया हुआ क्रोध या दुख या भय अंदर पड़ा-पड़ा नासूर बन जाता है और फिर वह कैसर या अन्य किसी रोग के रूप में प्रगट होता है। वो रसायन शरीर के अंगों में प्रवेश कर उन अंगों को कमजोर बनाता है और धीरे-धीरे रोग उनमें घर बना लेता है।

## बॉडी-माइंड बैलेंसिंग

# अवचेतन का संदेश सुनें देह से करें दोस्ती



अवचेतन की इसी शक्ति को ध्यान में रख कर आंशों ने एक प्राचीन तिब्बती ध्यान पद्धति को पुनर्जीवित किया है। उसे नाम दिया है बॉडी-माइंड बैलेंसिंग, देह और मन का संतुलन। यह एक ऐसी निर्देशित ध्यान पद्धति है जिसके जरिए लोग

अपने देह और मन का एक इकाई की तरह उपयोग करना सीखते हैं और स्वास्थ्य को अनुभव कर पाते हैं। आंशों ने कहा है कि एक बार आप शरीर से संवाद करना शुरू करते हैं तो चीजें बहुत आसान हो जाती हैं। क्योंकि शरीर पर जबर्दस्ती नहीं की जा सकती, उसे प्रेम से फुसलाया जा सकता है।

## अवचेतन का संदेश सुनिए

टीवी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के कोहराम ने हमारी सुनने की नैसर्गिक क्षमताओं को कुंद कर दिया है और हम शरीर के मूक संदेशों को सुनना भूल ही गए हैं। यही कारण है कि अब देह आपका ध्यान खींचने के लिए और कठोर भाषा अपनाती है। आपको परेशान करने की कोशिश करती है। उसका संदेश बीमारियों के जरिए शरीर में नजर

आने लगता है। जैसे सिरदर्द, बीच-बीच में टूटने वाली नींद, दुर्घटनाओं का आघात यानी ट्रॉमा, लाइलाज मर्ज, खासतौर से पीठ और पेट के रोग। सम्मोहन का नजरिया है कि कोई भी पीड़ा हो, वह एक संदेश है अवचेतन का। आपका अवचेतन आपसे कुछ कहना चाहता है, भागदौड़ छोड़कर जरा रुक जाएँ और ध्यान दें। उसकी आवाज सुनें। उसे महसूस करें। यह ध्यान पद्धति सिखाती है कि देह की आवाज फिर कैसे सुननी शुरू की जाए और कैसे एक बार फिर पुरानी पीड़ाओं से छुटकारा पाया जाए।

## शरीर से दोस्ती करें

बॉडी माइंड बैलेंसिंग को किसी भी असंतुलन को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। भले ही वह वजन बढ़ने की समस्या हो, हाजम की दिक्कतें हों (खासतौर से कब्ज की समस्या), तरह-तरह के दर्द हों, तनाव या बेवैनी हो। यहां तक कि इसके जरिए बुरी आदतों से छुटकारा पाया जा सकता है।

# बच्चों को बोटल न दें

नन्हा शिशु रोता है, तो काम में व्यस्त मां उसके मुंह में शहद की निप्पल, टीथर या दूध की बोटल मुंह में लगा देती है। बहुत कम पेरेंट्स को पता है कि ये पैसीफायर, टीथर और निप्पल शिशु की सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं, क्योंकि इनमें खतरनाक और विषैले तत्व पाए गए हैं जैसे- लैड, कैडमियम, क्रोमियम आदि।

## हानिकारक हैं विषैले तत्व

सीडीआरएस ने पैसीफायर्स, टीथर्स एवं निप्पल्स के नमूनों का परीक्षण किया। सभी में लैड, क्रोमियम और कैडमियम पाए गए। नवजात शिशुओं के खिलौनों में ?से विषैले तत्व की मौजूदगी स्वीकार्य नहीं, क्योंकि बच्चे इन्हें चूसते, चबाते रहते हैं और लार निगलते रहते हैं। ये पैसीफायर या टीथर शिशुओं के लिए बैक्टिरियल या फंगल इन्फेक्शन का सबब बन सकते हैं। लैड की थोड़ी-सी मात्रा भी खतरनाक हो सकती है। कैडमियम एक नेफ्रोटीक्सिन है, जो किडनी को क्षतिग्रस्त कर सकता है। इसके शरीर में जाने से पेट दर्द, जी मिचलाना और यहां तक कि मृत्यु भी हो सकती है। क्रोमियम इरीटेशन या दमा के दौर का सबब बन सकता है।

## बदलें मापदंड

बीआईएस को भी अपने मापदंड बदलने चाहिए और विशेष रूप से नवजात शिशुओं के लिए बनाए गए खिलौनों जैसे टीथर, पैसीफायर एवं निप्पल्स के लिए अलग स्टैंडर्ड तय करने चाहिए।

## वया है समाधान

शिशु को एक बड़ा गाजर, खीरा या मूली उनकी ऊपरी सतह को साफ करके, साफ पानी से धोकर दे दिया जाए। शिशु को दूध पिलाने के लिए बोटल का इस्तेमाल न करना बेहतर होगा। ये आसानी से गंदे और बैक्टिरिया युक्त हो जाते हैं।



## सार समाचार

## बड़ा हादसा होने से टला! दुबई में दो यात्री विमान आपस में टकराई; कोई हताहत नहीं

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई शहर में मुख्य हवाईअड्डे पर बुधवार सुबह दो विमान आपस में टकरा गए, यद्यपि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आपस में टकराए हुए विमानों में से एक विमान एअरलाइन 'फ्लाईदुबई' का और दूसरा बहरीन स्थित एअरलाइन 'गल्फ एअर' का था। फ्लाईदुबई ने एक बयान में कहा कि किर्गिस्तान जा रहा उसका बॉइंग विमान 'मामूली दुर्घटना' का शिकार हो गया और उसे अपने स्टैंड स्थल पर लौटाना पड़ा। यात्री छह घंटे बाद एक अन्य उड़ान से अपने गंतव्य को रवाना हो गए। इसने कहा, 'फ्लाईदुबई घटना की जांच के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर काम करेगी।' इसने कहा कि हादसे में विमान के पंख को क्षति पहुंची। वहीं, गल्फ एअर ने कहा कि एक अन्य विमान को टकरा से उसके एक विमान के पिछले हिस्से को नुकसान हुआ। एअरलाइन ने कहा कि वह यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए काम कर रही है।

## गाजा सिटी में एक मकान में हुआ बड़ा धमाका, एक व्यक्ति की मौत; 10 अन्य घायल

गाजा सिटी। गाजा सिटी के एक लोकप्रिय बाजार में बुधवार को एक मकान में धमाका होने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी जबकि 10 अन्य घायल हो गये। गृह मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि अल-जिजिया इलाके में यह धमाका होने से मकान का बड़ा हिस्सा ध्वस्त हो गया और समीप के कई अन्य मकानों को भी नुकसान पहुंचा। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह धमाका कैसे हुआ। पुलिस विस्फोटक इंजीनियरिंग टीम विस्फोट के कारणों की जांच में जुटी है। नागरिक रक्षा दलों एवं पुलिस ने धमाके बाद लगी आग को नियंत्रित किया। इजराइली सेना ने इस घटना में उसका हाथ नहीं होने का संकेत दिया और इसे गाजा का 'अदरुनी' मामला करार दिया है।

## ब्रिटेन अवैध प्रवासियों की संख्या में वृद्धि से निपटने के लिए फ्रांस को 7.4 करोड़ डॉलर का भुगतान करेगा

लंदन। ब्रिटेन ने अंग्रेजी चैनल को पार करने वाली अवैध नौकाओं में वृद्धि से निपटने के लिए फ्रांस को अतिरिक्त 5.5 करोड़ पाउंड (7.4 करोड़) का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, चैनल पार करने वाले प्रवासियों की बढ़ती संख्या को रोकने के लिए, ब्रिटिश गृह सचिव प्रीति पटेल ने फ्रांस के आंतरिक मंत्री गेराल्ड डारमैन के साथ हुए समझौते के तहत राशि का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की। पिछले साल आवृत्त 2.5 करोड़ पाउंड के शीर्ष पर, फ्रांसीसी गश्ती पुलिस की संख्या को लगभग 200 प्रति दिन और उत्तरी फ्रांसीसी तट के एक व्यापक क्षेत्र में निगरानी प्रौद्योगिकी के उपयोग का विस्तार करने के लिए, गृह कार्यालय इसका भुगतान करेगा। इससे ब्रिटेन पहुंचने वाले अवैध प्रवासियों को वापस लेने के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) देशों के लिए एक नया पैन-यूरोपीय सीमा बनाने के लिए एक संयुक्त बौली का नेतृत्व करने की भी उम्मीद है। गृह कार्यालय ने कहा कि 2021 में अब तक क्रांशित करने वालों की संख्या पिछले साल के रिकॉर्ड 8,420 क्रांशिंग से पहले ही अधिक है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पिछले तीन दिनों में लगभग 1,000 चैनल पार कर चुके गए हैं क्योंकि तरकरों ने अच्छे मौसम का फायदा उठाया, जिससे इस साल कुल संख्या कम से कम 8,452 हो गई।

## रूस-अमेरिका संबंध

### खतरनाक टकराव के बिंदु पर

मॉस्को। रूस-अमेरिका संबंध एक खतरनाक टकराव के बिंदु पर पहुंच गए हैं। मॉस्को में विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि वाशिंगटन की ओर से लगातार सिस्टमेटिक तौर पर दबाव की वजह से वे नौबत आई है। मंत्रालय के कॉलेजियम की बैठक के बाद बुधवार को प्रकाशित बयान के अनुसार, वाशिंगटन की कार्रवाइयों के कारण हाल के वर्षों में रूस और अमेरिका के बीच संबंध खराब हो रहे हैं। उसमें कहा गया है कि रूस अमेरिका और उसके सहयोगियों के सिस्टमेटिक दबाव में है, जो काफी हद तक वैचारिक कारकों से प्रेरित है। वाशिंगटन की स्थिति अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन करती है और इसका कड़ा विरोध किया जाएगा, यह कहते हुए कि रूस अपने वैध हितों को बनाए रखेगा। मंत्रालय के अनुसार, जिनेवा में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके अमेरिकी समकक्ष जो बाइडन के बीच जून के शिखर सम्मेलन ने दिखाया कि रणनीतिक स्थिरता, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा और क्षेत्रीय संघर्षों के समाधान जैसे क्षेत्रों में रचनात्मक बातचीत को पुनर्जीवित करने के कितने उचित अवसर थे।

## 30 अगस्त को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति की मेजबानी करेंगे बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन 30 अगस्त को व्हाइट हाउस में अपने यूक्रेनी समकक्ष वोलोडिमिर जेलेन्स्की की मेजबानी करेंगे। इसकी जानकारी प्रेस सचिव जेन साकी ने दी। साकी ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा, यह यात्रा यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए डोनबास और क्रीमिया में रूस की जारी आक्रामकता के लिए अमेरिका के अटूट समर्थन की पुष्टि करेगी। एक बयान के अनुसार, दोनों नेता यूक्रेन में ऊर्जा सुरक्षा सहयोग और भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों पर भी चर्चा करेंगे। यह घोषणा तब हुई जब अमेरिका और जर्मनी नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन मुद्दे पर एक समझौते पर पहुंचे, जिसका यूक्रेन विरोध करता है। अगले महीने पूर्वी यूरोप की 1,230 किलोमीटर लंबी गैस पाइपलाइन, बाल्टिक सागर के माध्यम से रूस से जर्मनी में सालाना 55 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस जाएगी।

# पुनरुत्थान के बीच टेक्सास नया मास्क मैनेजेंट नहीं लागू करेगा

हौस्टन (एजेंसी)।

टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने घोषणा की कि वह ताजा कोविड मामलों और अस्पताल में भर्ती होने के बढ़ते मामले के बीच एक नया मास्क मैनेजेंट नहीं लागू करेगा।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एबॉट ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि टेक्सास सरकारी जनादेश के समय से पहले हम पर व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने एक दिन पहले स्थानीय टीवी स्टेशन केपीआरसी द्वारा साक्षात्कार के दौरान भी यही विचार व्यक्त किया था। एबॉट ने कहा कि कोई मास्क जनादेश नहीं लगाया जाएगा, और इसके कारण बहुत स्पष्ट हैं। ऐसे बहुत से लोग हैं जिनके पास कोविड के लिए प्रतिरक्षा है, चाहे वह टीकाकरण के माध्यम से हो, चाहे वह अपने स्वयं के जोखिम के माध्यम से हो। इससे वह रिकवरी और प्रतिरक्षा प्राप्त कर



लेंगे। एबॉट ने केपीआरसी को बताया कि ये उन लोगों की आवश्यकता के लिए अनुचित होगा जिनके पास पहले से ही मास्क पहनने की प्रतिरक्षा है टेक्सास राज्य स्वास्थ्य सेवा विभाग के आंकड़ों से पता चला है कि हाल ही में टेक्सास में कोविड-19 सकारात्मकता दर 10 प्रतिशत रेड जोन की सीमा को पार कर गई है। सकारात्मकता दर फरवरी के बाद से इतनी अधिक नहीं रही है, और जून के मध्य में यह 2.8 प्रतिशत जितनी कम थी।

इस बीच, पिछले तीन हफ्तों में राज्यव्यापी अस्पताल में भर्ती के मामले बढ़े हैं। 19 जुलाई तक, लगभग 43 प्रतिशत टेक्सास पूरी तरह से टीकाकरण करा चुके हैं, और टेक्सास विश्वविद्यालय, टेक्सास टिब्यून के एक सर्वेक्षण में पाया गया है कि टेक्सास के लगभग आधे मतदाता अपने पूर्व-महामारी जीवन में लौट आए हैं। अप्रैल के बाद से हर महीने प्रशासित टीकों की संख्या में गिरावट आ रही है।

## अमेरिका के उप विदेश मंत्री शेरमेन जाएंगे चीन

वाशिंगटन। अमेरिकी उप विदेश मंत्री, वेंडी शेरमेन 25-26 जुलाई तक चीन की यात्रा करेंगी, इस दौरान वह स्टेट काउंसिलर और विदेश मंत्री वांग यी सहित शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करेंगी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। विदेश विभाग की ओर से बुधवार को जारी बयान में कहा गया है कि शेरमेन तियानजिन की यात्रा करेंगी जहां वह वांग के साथ चर्चा करेंगी। ये चर्चा अमेरिकी हितों और मूल्यों को आगे बढ़ाने और रिश्ते को जिम्मेदारी से प्रबंधित करने के लिए चीनी अधिकारियों के साथ स्पष्ट आदान-प्रदान करने के लिए चल रहे अमेरिकी प्रयासों का हिस्सा है। उप सचिव शेरमेन उन क्षेत्रों पर चर्चा करेंगी जहां हमें चीन की कार्रवाइयों के बारे में गंभीर चिंता है, साथ ही उन क्षेत्रों पर भी चर्चा होगी जहां हमारे हित संरक्षित हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यात्रा की पुष्टि करते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बुधवार को व्यवस्था करने का प्रस्ताव रखा था, जिस पर बाद में दोनों पक्षों ने सहमति व्यक्त की। प्रवक्ता के अनुसार, वांग के अलावा, चीन-अमेरिका संबंधों का प्रभार संभालने वाले उप विदेश मंत्री झी फेंग भी शेरमेन के साथ बातचीत करेंगे।



कहा कि अमेरिका ने द्विपक्षीय संबंधों पर विचारों के आदान-प्रदान के लिए शर्मन को यात्रा की व्यवस्था करने का प्रस्ताव रखा था, जिस पर बाद में दोनों पक्षों ने सहमति व्यक्त की। प्रवक्ता के अनुसार, वांग के अलावा, चीन-अमेरिका संबंधों का प्रभार संभालने वाले उप विदेश मंत्री झी फेंग भी शेरमेन के साथ बातचीत करेंगे।

## हांगकांग पुलिस ने राजद्रोह के आरोप में मजदूर संघ के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया

हांगकांग। हांगकांग की पुलिस ने मजदूर संघ के पांच सदस्यों को बुधवार को गिरफ्तार किया और एक अदालत ने राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में गिरफ्तार चार संपादकों एवं पत्रकारों को जमानत देने से इनकार कर दिया। स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक जिन पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है वह 'जनरल एसोसिएशन ऑफ हांगकांग स्पीच थैरेपिस्ट्स' के सदस्य हैं। संगठन ने तीन बाल पुस्तकें प्रकाशित की हैं जिनके बारे में अधिकारियों को संदेह है कि वे राजनीतिक संकेत के रूपक हैं। कितानों में ऐसी कहानियां हैं जो भेड़ के एक गांव के इर्द-गिर्द घूमती हैं जिन्हें एक अलग गांव के भेड़ियों से निपटना पड़ता है।

संघ की वेबसाइट पर प्रकाशित सारांश के अनुसार भेड़ें हड़ताल करने या नौका से बच निकलने जैसे कदम उठाती हैं। पुलिस ने पुष्टि की है कि उन्होंने मजदूर संघ से दो पुरुषों और तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है लेकिन उनकी या उनके संघ की पहचान नहीं की है। पुलिस ने कहा कि उन पर हांगकांग के लोगों में खासकर बच्चों में अधिकारियों एवं न्यायपालिका के प्रति घृणा, हिंसा और अन्य गैर-कानूनी कार्यों को उकसाने के इरादे से राजद्रोही प्रकाशनों को प्रकाशित करने, वितरित करने, प्रदर्शित करने या नकल करने की साजिश रचने का संदेह है।

पुलिस ने कहा कि उन्होंने संघ से जुड़ी 1,60,000 हांगकांग डॉलर की संपत्ति भी जब्त की। बुधवार को, हांगकांग की अदालत ने अब तक चले लगे लोकतंत्र समर्थक अखबार एप्पल डेली से चार शीर्ष संपादकों और पत्रकारों को जमानत देने से इनकार कर दिया। उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए विदेशी ताकतों के साथ साजिश रचने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार किया गया था।

# तालिबान ने रणनीतिक शक्ति हासिल कर ली है : शीर्ष अमेरिकी जनरल

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के एक शीर्ष जनरल ने कहा है कि तालिबान अब कुल 212 यानि अफगानिस्तान के 419 जिला केंद्रों में से आधे को नियंत्रित करता है। इसे देखते हुए लगता है कि विद्रोहियों ने अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद से रणनीतिक शक्ति हासिल कर ली है। यूएस ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टॉफ के अध्यक्ष जनरल मार्क मिले ने बुधवार को पेंटागन में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह प्रतीत होता है कि तालिबान ने रणनीतिक तौर पर शक्ति हासिल कर ली है। मिले ने कहा कि हम यह पता लगाने जा रहे हैं, कि वहां हिंसा किस स्तर पर हो रही है। क्या ये बढ़ने की संभावना है या पहले जैसी स्थिति है। क्या बातचीत के नतीजे अभी भी वहां संभावना है, तालिबान के अधिग्रहण की संभावना है (और) या किसी भी अन्य परिदृश्यों की संभावना है। उन्होंने अभी भी देश

के तालिबान अधिग्रहण को रोकने के लिए अफगान बलों की क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा, दो सबसे महत्वपूर्ण लड़ाकू गुणक, वास्तव में, इच्छा और नेतृत्व हैं। यह अब अफगान लोगों, अफगान सुरक्षा बलों और अफगानिस्तान की सरकार की इच्छा और नेतृत्व की परीक्षा होने जा रही है। उन्होंने कहा कि युद्ध नहीं लगता कि अंतिम खेल अभी हो गया है। एक नकारात्मक परिणाम, तालिबान का स्वतः-अधिग्रहण, एक पूर्व निष्कर्ष नहीं है। मिले ने कहा कि आतंकवादियों ने अभी तक देश की 34 प्रांतीय राजधानियों में से किसी पर कब्जा नहीं किया है, लेकिन वे उम्मेद से आधे पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि अफगान सुरक्षा बल काबुल सहित उन प्रमुख शहरों केंद्रों की सुरक्षा के लिए अपनी स्थिति मजबूत कर रहे हैं। वे जो करने की कोशिश कर रहे हैं वह प्रमुख जनसंख्या केंद्रों को अलग कर रहा है। वे काबुल के लिए भी ऐसा

ही करने की कोशिश कर रहे हैं। बुधवार तक, तालिबान अब अफगानिस्तान के 419 जिला केंद्रों में से लगभग 212 को नियंत्रित करता है, मिले ने कहा, यह एक महीने पहले 81 जिला केंद्रों से एक महत्वपूर्ण खलांग थी। द हिल न्यूज वेबसाइट ने एक रिपोर्ट में कहा कि शीर्ष अमेरिकी जनरल ने तालिबान के हालिया लाभ के लिए अफगान बलों को केंद्र की रक्षा को मजबूत करने के लिए जिम्मेदार ठहराया। मिले ने कहा कि इसका एक हिस्सा यह है कि वे अपनी सेना को मजबूत करने के लिए जिला केंद्रों को छोड़ रहे हैं क्योंकि वे आबादी की रक्षा के लिए एक दृष्टिकोण अपना रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि ईद अल-अधा की छुट्टी के लिए हिंसा में कमी के बाद, शेष भी युद्ध के ज्वार के लिए निर्णायक हो सकती है। 1 मई को युद्धग्रस्त देश से अमेरिकी नेतृत्व वाले बलों की वापसी की शुरुआत के बाद



से अफगानिस्तान में तालिबान और सुरक्षा बलों के बीच भारी लड़ाई देखी गई है। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि पिछले हफ्ते 95 फीसदी से ज्यादा निकासी पूरी हो चुकी है। पेंटागन के अनुसार, पिछले दो दशकों में अफगानिस्तान में 2,400 से अधिक अमेरिकी सैनिक मारे गए, 20,000 घायल हुए। अनुमान बताते हैं कि 66,000 से अधिक अफगान सैनिक मारे गए हैं, और 27 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

## दक्षिण-पूर्व एशिया में तेजी से बढ़ रहे हैं कोरोना वायरस संक्रमण, मौत के मामले

कुआलालंपुर। (एजेंसी)।

इंडोनेशिया कोविड-19 मरीजों की संख्या बढ़ने के कारण देश में उत्पादन हो रहे अधिकतर ऑक्सीजन का इस्तेमाल चिकित्सा के लिए कर रहा है। मलेशिया में भी अस्पतालों में जगह नहीं मिलने के कारण फर्श पर ही मरीजों का उपचार हो रहा है जबकि म्यांमा के सबसे बड़े शहर में मौत के मामले बढ़ने से कब्रिस्तान में दिन-रात शव दफनाए जा रहे हैं। अप्रैल-मई में भारत में महामारी की तेज लहर के दौरान खुले में शवों के अंतिम संस्कार की भयावह तस्वीरें आयी थीं। कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप के कारण नयी लहर के दौरान पिछले दो हफ्तों में दक्षिण-पूर्व एशिया के तीन देशों में मृत्यु के मामले तेजी से बढ़े हैं।

मलेशिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य सेलंगोर में कई मरीजों को अस्पतालों में जगह नहीं मिल रही है। मलेशिया में रेड क्रॉस के लिए एशिया प्रशांत क्षेत्र के स्वास्थ्य समन्वयक अभिषेक रिमल ने बताया कि संक्रमण को लेकर बढ़ती लापरवाही, कम टीकाकरण दर और वायरस के डेल्टा स्वरूप के तेजी से प्रसार के कारण मामले



बढ़े हैं। मलेशिया में राष्ट्रीय लॉकडाउन के बावजूद संक्रमण के मामले कम नहीं हो रहे। देश में 13 जुलाई से हर दिन 10,000 से ज्यादा मामले आ रहे हैं। देश में अब तक 15 प्रतिशत आबादी का ही टीकाकरण हुआ है। इंडोनेशिया, म्यांमा और मलेशिया में जून के बाद से तेजी से मामले बढ़ रहे हैं।

कंबोडिया और थाईलैंड में भी संक्रमण और मौत के मामले बढ़े हैं। दुनिया में आबादी का ही टीकाकरण हो पाया है। इंडोनेशिया में बुधवार को संक्रमण से 1383 लोगों की मौत हुई। मध्य जून में रोजाना करीब 8,000 मामले आ रहे थे जिसके बाद पिछले सप्ताह 50,000 से ज्यादा मामले आने लगे। अस्पतालों में

मरीजों की संख्या बढ़ने से औद्योगिक इस्तेमाल के लिए निर्धारित ऑक्सीजन की खपत पर रोक लगा दी गयी है और 90 प्रतिशत ऑक्सीजन अस्पतालों को भेजे जा रहे हैं। म्यांमा में भी स्वास्थ्य ढांचे पर गंभीर असर पड़ा है। देश में मध्य मई से संक्रमण और मौत के मामले बढ़ने लगे। म्यांमा में मंगलवार को संक्रमण के 5860 मामले आए और 286 लोगों की मौत हुई। देश की करीब तीन प्रतिशत आबादी का ही टीकाकरण हो पाया है। पिछले सप्ताह से यांगून के सात कब्रिस्तान में दिन रात शव दफनाए जा रहे हैं। रविवार को ही 1200 से ज्यादा लोगों के शव दफनाए गए।

## महिलाओं को लेकर बदली सऊदी अरब की सोच! पहली बार मक्का में हुई महिला सेना की तैनाती



नई दिल्ली (एजेंसी)।

इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल मक्का और मदीना में पहली बार सऊदी महिला सैनिकों की तैनाती की गई है। एक खबर के मुताबिक, सऊदी अरब ने सेना की तैनाती के लिए महिला सैनिकों के समूह को शामिल करने का बड़ा फैसला लिया है। हज वार्षिक तीर्थयात्रा को सुरक्षित करने में मदद कर रहे हैं इस सेना समूह में सऊदी युमन सोल्जर्स ग्रुप में मोना भी शामिल हैं। मोना ने अपने दिवंगत पिता के करियर से प्रेरित होकर यह फैसला लिया है। बता दें कि अप्रैल महीने के बाद से, दर्जनों महिला सैनिक सुरक्षा सेवाओं का हिस्सा बन गई हैं जो इस्लाम के जन्म स्थान मक्का और मदीना में तीर्थयात्रियों की निगरानी करती हैं। मोना समेत कई महिला सैनिक

खारी वर्दी, कूल्हे की लंबाई वाली जैकेट, ढीले पतलून और अपने बालों को ढकने वाले घूंघट पर एक काले रंग की बेली के साथ मक्का में ग्रैंड मस्जिद में अपनी समय बिताती है। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने सोशल और इकॉनॉमिक सुधारों को आगे बढ़ाने के तहत विदेशी निवेश के लिए यह फैसला लिया गया है। इस सुधार योजना को विजुन 2030 का नाम दिया गया है। क्राउन प्रिंस ने महिलाओं पर ड्राइविंग प्रतिबंध हटा दिया है। इसके अलावा, महिलाएं बिना किसी मदद के भी बाहर अकेले यात्रा करने की अनुमति दे दी है। बता दें कि कोरोना महामारी को देखते हुए सऊदी अरब ने विदेशों से लाखों अन्य तीर्थयात्रियों के अलावा अपने नागरिकों पर हज यात्रा की रोक लगा दी है।

# पाकिस्तान में कभी भी हो सकता है घात, अपनी सुरक्षा अपने हाथ, चीनी इंजीनियर चल रहे एके-47 राइफल लेकर साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एक पुरानी कहावत है अपनी सुरक्षा अपने हाथ, बाकी सारी झूठी बात। आतंकवादी अशांति के मद्देनजर चीनी इंजीनियर्स ने यही नीति अपना ली है। पाकिस्तान के चीन-पाक आर्थिक गलियारे (सीपैक प्रोजेक्ट) में काम कर रहे चीनियों ने बंदूक उठा ली है। आलम ये हो गया कि कस्ट्रक्शन साइट पर चाइनीज इंजीनियर्स एके-47 राइफल ताने दिखें। खेबर पख्तुनवा में हुए धमाके के बाद चीनियों को पाकिस्तान पर भरोसा बिल्कुल नहीं रह गया है।

इमरान के सुरक्षा वाले दावों के बावजूद चीनी इंजीनियर्स ने थामे हथियार

चीन ने पाकिस्तान में इंजीनियरों के बस के ऊपर हुए आतंकी हमले को लेकर इमरान सरकार से गहरी नाराजगी जताई है। नागरिकों पर हुए हमले की जांच के लिए चीन ने एक टीम भी पाकिस्तान भेजी है। पाकिस्तान ने चीनी प्रोजेक्ट और नागरिकों की सुरक्षा के लिए 30 हजार सैनिकों को तैनात किया है। लेकिन चीन सीपैक प्रोजेक्ट के कस्ट्रक्शन साइट पर काम कर रहे अपने इंजीनियर्स की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। वहीं चीनी नागरिकों ने अपनी सुरक्षा के लिए एके-

47 जैसे हथियार उठा लिए हैं। चीनी इंजीनियरों से भरी बस पर हुआ हमला

गौरतलब है कि पाकिस्तान के आतंकी हमले में 9 चीनी इंजीनियर मारे गए थे। जब चीनी इंजीनियर से भरी बस पर अटैक हुआ था। हमले में नौ चीनी इंजीनियर समेत 12 की मौत हुई। खेबर पख्तुनवा के कोहिस्तान इलाके में ये हमला हुआ था। चीनी इंजीनियर और निर्माण श्रमिक एक बांध बनाने में मदद कर रहे हैं। यह बांध 60 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाले चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का हिस्सा है।



## सार समाचार

राहुल ने ऑक्सिजन की कमी से हुई मौतों पर कहा, सबकुछ याद रखा जाएगा

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सिजन की कमी से हुई मौतों को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सब कुछ याद रखा जाएगा। केरल के वायनाड से कांग्रेस सांसद ने एक टवीट में कहा, सब कुछ याद रखा जाएगा। उन्होंने ऑक्सिजन शॉर्टेज के हैशटैग के साथ टवीट किया और एक वीडियो भी संलग्न किया जिसमें लोगों को ऑक्सिजन सिलेंडर की खोज करते हुए दिखाया गया है। राज्यसभा को सूचित करने के बाद कि दूसरी लहर के दौरान ऑक्सिजन की कमी के कारण कोई भी मौत नहीं हुई थी, सरकार को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने गुरुवार को स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश किया, जिन्होंने दो दिन पहले राज्यसभा को सूचित किया था कि कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सिजन की कमी के कारण किसी की मृत्यु नहीं हुई है।

पुलिसकर्मी की हत्या के जुर्म में एक व्यक्ति को उम्रकैद की सजा सुनायी गयी

अहमदाबाद। गुजरात की एक सत्र अदालत ने पांच साल पूर्व हिरासत से भागने से पहले अहमदाबाद शहर अपराध शाखा के उच्च सुरक्षा वाले कार्यालय में एक पुलिस कार्टेबल की हत्या करने के जुर्म में बृहस्पतिवार को एक व्यक्ति को उम्रकैद की सजा सुनायी। सत्र अदालत के न्यायाधीश डी वी शाह ने गायकवाड हवेली में अपराध शाखा मुख्यालय के अंदर अप्रैल 2016 में कार्टेबल चंद्रकांत मकवाना की पीट-पीटकर हत्या करने को लेकर मनीष बलाई को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। राजस्थान निवासी बलाई को लूटपाट के एक मामले में पृच्छाछ के लिए अपराध शाखा कार्यालय लाया गया था और उसे वहां रखा गया था। इक्कीस अप्रैल को तड़के जब कार्टेबल मकवाना नंद में था तब बलाई ने उसे लोहे की छड़ से पीट-पीटकर मार डाला। उसने उसके सिर और चेहरे पर वार किया एवं भाग गया। एक दिन बाद उसे वड़ोदरा के करजन रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया।

सरकार ने जारी किया

आंकड़ा, 10 साल में एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों में तीन लोगों की मौत

नयी दिल्ली। नागर विमानन राज्य मंत्री वी के सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले 10 साल में एयरो स्पोर्ट्स (हवाई खेलों) के दौरान पांच हादसों में तीन लोगों की मौत हो गयी। सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, "डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) के अनुसार भारत में पिछले दस साल में एयरो स्पोर्ट्स के दौरान पांच दुर्घटना घटी।" उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में माइक्रोलाइट विमानों से जुड़े दो हादसे हुए, जिनमें दो लोगों की मौत हो गयी। सिंह के अनुसार ग्लाइडर से जुड़ी तीन दुर्घटना घटी जिनमें एक व्यक्ति की मृत्यु हो गयी। सिंह ने कहा कि सभी एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों के लिए नियमन नहीं है। उन्होंने कहा, "हालांकि डीजीसीए बेल्ट, ग्लाइडर, माइक्रोलाइट आदि के पंजीकरण के लिए प्रमाणपत्र जारी करता है।"

छत्तीसगढ़: ट्रक से एक करोड़ रुपए से अधिक का गांजा जब्त, एक गिरफ्तार

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में पुलिस ने एक ट्रक से एक करोड़ रुपए मूल्य का 727.165 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। कोंडागांव जिले के पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यहां बताया कि शहर में नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने एक ट्रक से 727.165 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के निवासी ट्रक चालक बनूचंद यादव (36) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक मुखबिर ने ट्रक से गांजा तस्करी की सूचना दी थी। सूचना के बाद पुलिस दल ने नाकाबंदी कर ट्रकों की तलाशी शुरू की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जब ट्रक की तलाशी ती तब उसमें दीवार पर किए जाने वाले पेंट के डिब्बों के बीच 18 बोरी में रखा 727.165 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जब ट्रक चालक से इस संबंध में पृच्छाछ की गई तब उसने बताया कि वह गांजा उत्तर प्रदेश लेकर जा रहा था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने ट्रक और गांजा जब्त कर लिया है तथा ट्रक चालक को गिरफ्तार कर उससे पृच्छाछ की जा रही है।

**कौति समय**

**स्पेशल ऑफर**

अपने बिज़नेस को बढ़ाये हमारे साथ

**ADVERTISEMENT WITH US**

सिर्फ **1000/-** रुमें (1 महीने के लिए)

**संपर्क करे**

## जासूसी संबंधी रिपोर्ट भारतीय लोकतंत्र की छवि धूमिल करने का प्रयास : अश्विनी वैष्णव

नयी दिल्ली। (एजेंसी।)

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इजराइली स्पाइवेयर पेगासस के जरिये भारतीयों की कथित जासूसी करने संबंधी खबरों को सिरे से खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले ऐसी रिपोर्ट का प्रकाशित होना कोई संभव नहीं है बल्कि ये आरोप भारतीय लोकतंत्र की छवि को धूमिल करने का प्रयास है। उच्च सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच, एक बयान में वैष्णव ने कहा कि जब देश में नियंत्रण एवं निगरानी की व्यवस्था पहले से है तब अनधिकृत व्यक्ति द्वारा अवैध तरीके से निगरानी संभव नहीं है। गौरतलब है कि संसद के मानसून सत्र के पहले दिन से विपक्षी दलों ने संसद के दोनों सदन में इसके समेत कुछ अन्य मुद्दों पर हंगामा किया।

आज भी वैष्णव ने उच्च सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ही यह बयान देना शुरू किया। जब वह बयान दे रहे थे तब आसन के समक्ष आ कर हंगामा कर रहे तुणमूल कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने चंद दस्तावेज भी फाड़े और हवा में उछाले। हंगामे की वजह से वैष्णव अपना बयान पूरा पढ़ नहीं पाए और उन्होंने इसे सदन के पटल पर रख दिया। सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री का यह बयान मीडिया में आई रिपोर्ट के मद्देनजर सामने आया है कि कुछ



राजनीतिक नेताओं, सरकारी अधिकारियों, पत्रकारों सहित अनेक भारतीयों की निगरानी करने के लिये इजराइली स्पाइवेयर पेगासस का कथित तौर पर उपयोग किया गया था। केन्द्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि 18 जुलाई को एक वेब पोर्टल ने कथित जासूसी की खबर प्रकाशित की और यह प्रेस रिपोर्ट 19 जुलाई को संसद का मानसून सत्र शुरू होने के ठीक एक दिन पहले सामने आई। यह संयोग नहीं हो सकता है।

वैष्णव ने कहा कि 18 जुलाई 2021 को आई प्रेस रिपोर्ट भारतीय लोकतंत्र और एक स्थापित संस्थान की छवि को धूमिल करने का प्रयास लगती

है। उन्होंने कहा कि अतीत में वॉट्सएप पर पेगासस के इस्तेमाल करने का दावा सामने आया था लेकिन इन खबरों का तथ्यात्मक आधार नहीं है और सभी पक्षों ने इससे इनकार किया है। गौरतलब है कि मीडिया संस्थानों के अंतरराष्ट्रीय गठजोड़ ने दावा किया है कि केवल सरकारी एजेंसियों को ही बेचे जाने वाले इजराइल के जासूसी सॉफ्टवेयर के जरिए भारत के कुछ रसूखदार लोगों सहित बड़ी संख्या में कारोबारियों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के 300 से अधिक मोबाइल नंबर, हो सकता है कि हैक किए गए हों।

मतदाताओं को लुभाने में जुटी योगी सरकार, मेरठ सहित 17 शहरों में उपलब्ध कराएगी फी फाई-पाई सेवा



मेरठ। (एजेंसी।)

उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर योगी सरकार वोटों को लुभाने के लिए हर कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में योगी सरकार ने राज्य के 17 जिलों में फी वाई-फाई सुविधाएं देने का फैसला किया है। 17 शहरों में कुल 217 जगह वाई-फाई सेंटर बनाए जाएंगे। इन सेंटरों से लोगों को फी वाई-फाई सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। सरकार ने अधिकारियों को इन शहरों में वाई-फाई लगाने के लिए जगह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आपको बता दें कि योगी

सरकार अब से पहले भी कई शहरों में फी वाई-फाई सुविधाएं दे रही है लेकिन ज्यादातर वाई-फाई सर्विस सेंटर बंद पड़े हुए हैं। अब सरकार ने इन सभी सेंटरों को भी दोबारा से ठीक करने का निर्देश दिया है। सरकार ने जिन शहरों में फी वाई-फाई सुविधा देने का ऐलान किया है उनमें लखनऊ, मेरठ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, वाराणसी, प्रयागराज, झांसी, सहारनपुर, बरेली, गोरखपुर, मुरादाबाद, अयोध्या, शाहजहांपुर, गाजियाबाद, मथुरा और फिरोजाबाद जनपद शामिल हैं। इन शहरों में चुनाव से पहले लोगों को फी वाई-फाई सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। सरकारी सूत्रों के मुताबिक जिस जगह पर फी वाई-फाई सेंटर बनाए जाएंगे, उनमें बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, तहसील, कचहरी, ब्लॉक और रजिस्ट्रार कार्यालय शामिल होंगे। इसके अलावा भी अन्य पब्लिक सेंटरों पर भी वाई-फाई सेंटर खोले जा सकते हैं।

## नोएडा के बाद गोरखपुर सबसे पसंदीदा औद्योगिक गंतव्य

लखनऊ (एजेंसी।)

22 जुलाई (आईएनएस)। गोरखपुर अब नोएडा के बाद उद्योगपतियों के लिए उत्तर प्रदेश में सबसे पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। गोरखपुर, जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का घर है, उन्होंने देश के 259 छोटे और बड़े उद्योगपतियों को जिले में अपने कारखाने स्थापित करने के लिए गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (जीआईडीए) से भूमि दी है। सरकार के प्रवक्ता के अनुसार, गोरखपुर में पिछले चार वर्षों में उद्योगपतियों द्वारा किया गया कुल निवेश 1,000 करोड़ रुपये है, जबकि वर्ष के अंत तक शहर में उद्योगों द्वारा अतिरिक्त 1,500 करोड़ रुपये खर्च किए जाने की संभावना है। निवेशकों में प्रमुख हैं आदित्य बिड़ला समूह और कोका-कोला कंपनी जिन्होंने अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए जमीन के लिए जीआईडीए से संपर्क किया है। उद्योगपतियों को अपने कारखाने स्थापित करने के लिए भूमि उपलब्ध कराने के अलावा, जीआईडीए के अधिकारी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए गोरखपुर में एक प्लास्टिक और एक कपड़ा पार्क के साथ-साथ एक फ्लैट फेक्ट्री स्थापित करने जैसी कई परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई टेक्सटाइल पार्क परियोजना सहित 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाएं शहर के औद्योगिक विकास में उत्प्रेरक का काम कर रही हैं। गोरखपुर में पर्यटन स्थलों को भी विकसित किया जा रहा है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए तारामंडल क्षेत्र का विकास किया जा रहा है और रामगढ़ ताल को भी एक नया रूप दिया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि गोरखपुर में शुरू की गई विकास योजनाओं से पूर्वांचल के करीब डेढ़ दर्जन जिले सीधे तौर पर लाभान्वित हो रहे हैं। गोरखपुर में खाद्य प्रोसेसिंग इकाइयों सहित विभिन्न प्रकार के उद्योग स्थापित किए जा रहे हैं। पिछले चार वर्षों में, गैलेट इस्पात लिमिटेड, शुद्ध प्लस हाइजीन, क्रेजी बेकरी उद्योग, अंकुर उद्योग लिमिटेड, स्प्राइस लैमिनेट्स प्राइवेट लिमिटेड, आदित्य मोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडिया ग्लाइकोल प्राइवेट लिमिटेड, आरके ऑक्सिजन प्राइवेट लिमिटेड और समस्त एफआईडीएस नामक उद्योगों ने स्थापित किया है। उनके कारखाने और उत्पादन भी शुरू कर दिया है। वहीं बहुराष्ट्रीय कंपनी कोका-कोला ने गोरखपुर में बॉटलिंग प्लांट लगाने के लिए जीआईडीए से 32 एकड़ जमीन मांगी है।

## कोविड-19 से पैरेंट्स को खोने वाले बच्चों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए सरकार लॉन्च करेगी पोर्टल!

नई दिल्ली (एजेंसी।)

कोरोना महामारी से अपने माता-पिता दोनों को खोने वाले सभी बच्चों की मदद के लिए सरकार ने एक पोर्टल शुरू करने की तैयारी कर ली है। टीओआई में छपी एक खबर के मुताबिक, सरकार 'पीएम-केयर्स फॉर चिल्ड्रेन स्क्रीम' के तहत मार्च 2020 में कोरोना महामारी के बाद से अपने माता-पिता, अभिभावकों को खोने सभी बच्चों को लॉन टर्म की सहायता प्रदान की जायेगी। इस स्क्रीम के तहत बच्चों को मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और अन्य लाभ मिलेगा। इस योजना के अनुसार, 18 वर्ष की आयु वाले बच्चों को मासिक स्कॉलरशिप और 23 साल की उम्र में 10 लाख तक फंड दिया जाएगा। आपको बता दें कि 29 मई को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस योजना को शुरू किया गया था। बता दें कि इस योजना के तहत 10 साल के कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में डे-स्कॉलर के रूप में प्रवेश मिलेगा। इसके अलावा बच्चों को मुफ्त पुस्तकें और नोटबुकें भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस स्क्रीम के लिए पोर्टल तैयार



किया जाएगा जिसके तहत बाल कल्याण समितियों और जिला मजिस्ट्रेटों को अलग-अलग लॉगिन सुविधाएं दी जाएगी। बच्चों की पूरी डिटेल भरने के लिए एक मैन्युअल तैयार किया गया है और इसके परिष्करण के लिए राज्यों को शेर किया गया है पोर्टल जल्द ही ऑफिशियल रूप से लॉन्च कर दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को

ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कोरोना महामारी के दौरान एक या दोनों माता-पिता को खोने वाले बच्चों के संबंध में राज्यों द्वारा भेजे जा रहे डेटा को इकट्ठा कर रहा है। इनमें वह बच्चों भी शामिल हैं जिन्होंने कोरोना के कारण अपने माता-पिता को नहीं खोया था।

## योगी पर प्रियंका गांधी का हमला, कहा- याद रखें कि जनता भी एक दिन 'प्रॉपटी' जब्त कर सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी।)

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक बयान को लेकर बृहस्पतिवार को उन पर निशाना साधा और कहा कि मुख्यमंत्री जिस 'प्रॉपटी' पर बैठे हैं, उसे एक दिन जनता जब्त कर सकती है। योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि प्रदेश के युवा किसी के बहकावे में न आए क्योंकि आज कोई गलत नहीं कर सकता है, जिसको अपनी प्रॉपटी जब्त करवाना हो, वह गलत कार्य करे। प्रियंका ने मुख्यमंत्री के इस बयान को लेकर उन पर पलटवार करते हुए टवीट किया, "इस देश में अपनी आवाज उठाना, प्रदर्शन करना और अपनी मांगों के लिए आंदोलन करना एक संवैधानिक अधिकार है। जायज मांगों के लिए आवाज उठाने वालों को डराने और धमकाने के लिए सत्ता का दुरुपयोग करना एक घोर अपराध है।"



कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने कहा, "जिस 'प्रॉपटी' पर योगी जी बैठे हैं, वह उनकी नहीं-जिंदगी की जनता की है। याद रखें कि वह 'प्रॉपटी' भी एक दिन जनता जब्त कर सकती है।" योगी आदित्यनाथ ने नये चयनित आबकारी निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित करने संबंधी कार्यक्रम में कहा था, "हम लोगों ने प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था के लिए हर संभव प्रयास किए हैं। परिणामतः प्रदेश में

निवेश आया और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के कार्य हुए। इसके तहत 1.61 करोड़ से अधिक युवाओं को नौकरी व रोजगार से जोड़ने में सफलता प्राप्त हुई है।" उन्होंने यह भी कहा था, "प्रदेश के युवाओं से मेरी अपील है कि वह किसी के बहकावे में न आए। आज कोई गलत नहीं कर सकता है। जिसको अपनी प्रॉपटी जब्त करवानी हो, वह गलत कार्य करे।

## कर्नाटक के भाजपा प्रभारी अरुण सिंह ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन का सवाल टाला

बेंगलुरु (एजेंसी।)

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा अपनी संभावित विदाई का संकेत दे चुके हैं, लेकिन पार्टी के राज्य प्रभारी अरुण सिंह बृहस्पतिवार को नेतृत्व



परिवर्तन के सवाल को टालते दिखे। दिल्ली में सवाददाताओं ने जब इस संबंध में उनकी प्रतिक्रिया पूछी तो उन्होंने कहा, "मेरा आप सभी को नमस्कार। हम किसी दिन साथ बैठेंगे और चर्चा

करेंगे। हम साथ बैठकर चाय भी पीएंगे।" येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग करने वाले बागी विधायकों द्वारा तेवर कड़े किए जाने के बीच सिंह ने जून में बेंगलुरु जाकर पार्टी नेताओं, मंत्रियों और विधायकों से विचार विमर्श किया था।

इसके बाद उन्होंने येदियुरप्पा के काम की प्रशंसा करते हुए कहा कि कर्नाटक सरकार उनके नेतृत्व में अच्छा काम कर रही है। सिंह ने कहा, "हमारे सभी कार्यकर्ता, मंत्री और विधायक एकजुट हैं और उनके बीच किसी तरह का मतभेद नहीं है।" इसके बावजूद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा है।

मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने बृहस्पतिवार को पहली बार अपनी संभावित विदाई का संकेत देते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व 25 जुलाई को निर्देश देगा जिसका वह अनुपालन करेंगे। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के विश्वसनीय लोगों में हैं जिन्हें पार्टी ने 75 साल की उम्र होने के बावजूद राज्य का नेतृत्व करने का मौका दिया।

## किसान आंदोलन पर बोलीं केन्द्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी- वे किसान नहीं, मवाली हैं

नई दिल्ली (एजेंसी।)

केन्द्र सरकार द्वारा लागू कृषि कानूनों के खिलाफ किसान लगातार आंदोलन कर रहे हैं। इन सब के बीच आज दिल्ली के जंतर मंतर पर किसान नेताओं ने सांकेतिक किसान संसद का आयोजन किया। इसके बाद फिर से इसे लेकर राजनीति लगातार जारी है। इन सबके बीच केन्द्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने किसान आंदोलन को लेकर बड़ा बयान दिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक मीनाक्षी लेखी ने कहा कि यह किसान नहीं मवाली हैं। मीनाक्षी लेखी ने आगे कहा कि वे किसान नहीं मवाली हैं। इसका संज्ञान ही नहीं चाहिए, ये अपराधिक गतिविधियां हैं, जो कुछ 26 जनवरी को हुआ वो भी शर्मनाक

था, अपराधिक गतिविधियां थी, उसमें विपक्ष द्वारा ऐसी चीजों को बढ़ावा दिया गया। उन्होंने कहा कि लोगों के हित में जो फैसले हैं वह भारत सरकार करेगी। गलत नैरेटिव पर ज्यादा ऊर्जा व्यर्थ नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह किसान नहीं हैं। किसानों के पास दिल्ली आकर प्रदर्शन करने का समय नहीं है। पेगासस मामले में मीनाक्षी लेखी ने कहा कि स्पाइवेयर मुद्दे में 10 देशों का नाम लिया गया है, लेकिन अन्य देशों में विपक्ष ने हमारे विपक्ष की तरह प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह एक ऐसी कहानी है जो मनगढ़ंत है और साक्ष्य रहित है। जब भी देश में कुछ सही और अच्छे होने वाला होता है, तो इस तरह लेना चाहिए, ये अपराधिक गतिविधियां हैं, जो कुछ 26 जनवरी को हुआ वो भी शर्मनाक

और डेटा संरक्षण को रोकने के लिए चलाई जाती हैं। यह संरचनाओं की विश्वसनीयता के प्रति जनता को असंवेदनशील बनाने और हमारे देश की छवि खराब करने के लिए है। उन्होंने आगे कहा कि एनएसओ ने इनकार किया है कि यह उनके ग्राहकों की सूची नहीं है और प्रचलन में सूची के बीच किसी भी संबंध का कोई पुष्ट प्रमाण नहीं है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इस सूची का खंडन किया है और फिर भी, विपक्ष ने फर्जी खबरों के आधार पर सदन को बाधित करना जारी रखा है। आज टीएमसी के सदस्यों ने संसद में किया, वो बहुत शर्मनाक है। कांग्रेस और टीएमसी लगातार गलत नैरेटिव बना रही है। कुछ पीट पत्रकारिता करने वाले लोग भी उनका साथ दे रहे हैं।



# सूरत के अलथन में निर्माणाधीन सिटी बस डिपो की सपोर्ट प्लेट वाला स्लैब गिरा, दो मजदूर घायल

**द्वितीय दैनिक**  
सूरत के अलथन-भटार इलाके में निर्माणाधीन सिटी बस डिपो का स्लैब सपोर्ट प्लेट के साथ ढह गया।

जिससे काम कर रहे दो मजदूर कुचल कर घायल हो गए। इसलिए काम पर मौजूद अन्य कर्मचारियों ने उदास श्रमिकों को तुरंत बाहर

निकाला और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। घटना की सूचना पर नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे। सपोर्ट

प्लेट गिरने से मजदूरों को लगी चोट सूरत नगर निगम आलथन-भटार क्षेत्र में टीपी नंबर 28 के फाइनल प्लॉट नंबर 157 पर सिटी

बस स्टॉप/टर्मिनल वर्कशॉप का निर्माण करा रहा है। ए.एल. पूरा टेका पटेल के पास है। लंबे समय से चल रहे निर्माण के दौरान

स्लैब फिलिंग सपोर्ट प्लेट सहित उपकरण गिरने से आज दो श्रमिक घायल हो गए। शाम को जब सपोर्ट प्लेट वाला स्लैब गिर गया तो

स्थानीय लोगों ने बचाव अभियान चलाया, जिससे दो मजदूर फंस गए। हालांकि फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना नहीं दी गई। लेकिन

घायलों को इलाज के लिए अस्पतालों में ले जाया गया और दुर्घटना की खबर मिलने पर नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे।



## Suspended 3 दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई निलंबित चिखली कस्टोडियल डेथ :जिला पुलिस प्रमुख ने 24 घंटे में

**द्वितीय दैनिक**  
चिखली, चोरी के आरोप में चिखली थाने में पूछताछ के लिए लाए गए 19 वर्षीय दो युवकों की आकस्मिक मौत को लेकर कल पूरे राज्य में कोहराम मच

चिखली थाने में चोरी के आरोप में पूछताछ की थी। 19 साल के सुनील पवार और रवि जाधव ने थाने में सुबह 5 से 8 बजे के बीच दम घुटने से आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद चिखली थाना समेत

निरीक्षक को ड्यूटी से छूट युवक आत्महत्या मामले में थाने के पीआई अजीत सिंह वाला को बाहर किए जाने से पूरे पुलिस बल और जिले में बहस छिड़ गई है और आदिवासी समुदाय में व्यापक

बाध सेना (बीटीटीएस) के गुजरात महासचिव पंकज पटेल के अनुसार ), सभी दोषियों को निलंबित कर दिया गया है। कानूनी कार्रवाई की जाती है और अत्याचार के अपराध के तहत शिकायत दर्ज की जाती

## युवती को प्रेमजाल में फांसकर युवक ने जबरन बनाए शारीरिक संबंध, 20 हजार स्पष्ट भी एंट लिए

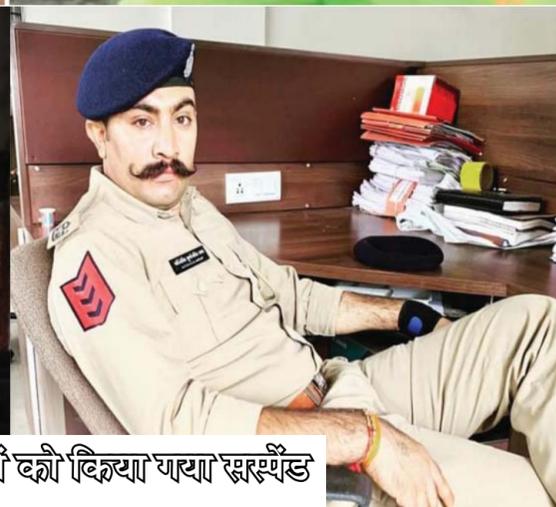
**द्वितीय दैनिक**  
सूरत, शहर के उधना क्षेत्र की एक सोसायटी में रहनेवाली युवती को उसी की सोसायटी के निवासी एक युवक ने अपने प्रेमजाल में फांस कर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। जाति विषय शब्दों का उपयोग कर युवक ने युवती को न सिर्फ बदनाम किया बल्कि उससे रु 20000 भी एंट लिए। युवक से परेशान युवती की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दुष्कर्म और एट्रोसिटी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत

के उधना क्षेत्र की गांधी कुटिर सोसायटी निवासी एक परिवार की बेटी 2020 में लॉकडाउन के दौरान अपने गांव से सूरत रहने आ गई थी। उसी सोसायटी में रहनेवाले विशाल उर्फ भूषण विजय पाटील नामक युवक ने युवती से पहले दोस्ती की और फिर बहला फुसलाकर उसे अपने प्रेमजाल में फांस लिया। विशाल ने युवती से उसकी तस्वीर और वीडियो मंगवाए। युवती ने बगैर कुछ सोचे समझे अपनी तस्वीर और वीडियो विशाल के मोबाइल पर सेंड कर दिए। तस्वीर और वीडियो के

आधार पर विशाल ने युवती को बदनाम करने की धमकी देकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। जिसके बाद विशाल ने आए दिन देने के साथ ही युवती के परिवार से झगड़े के दौरान जाति विषयक शब्दों का उपयोग उसे अपमानित किया। इतना ही नहीं विशाल ने युवती को धमकी देकर उससे 20000 स्पष्ट भी एंट लिए। विशाल से परेशान होकर युवती ने आखिरकार उसके खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस ने दुष्कर्म और एट्रोसिटी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू



मूर्तक युवक



छत्र पुलिसकर्मियों को दहो दिहया गया सरस्पेंड

गया। आदिवासी समुदाय ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जिसके बाद जिला पुलिस प्रमुख ने आत्महत्या के मामले में दोषी तीन पुलिसकर्मियों को 24 घंटे के भीतर निलंबित कर दिया है। चिखली पुलिस ने डंग जिले के वाघई तालुका के दो आरोपियों से

पूरी जिला पुलिस फरार चल रही थी। पूरे मामले में पुलिस कार्रवाई और कथित खुदकुशी को लेकर दिन भर कई सवाल उठे। जिसमें पुलिस अधिकारियों ने आदिवासी समुदाय को लगातार जांच और न्याय दिलाने की मांग की और बताया कि दोनों मृतकों को किसको सूरत ले जाया गया। चिखली थाने के पुलिस

आक्रोश है। पीआई को सरस्पेंड नहीं किया तो होगा आंदोलन वंसदा विधायक अनंत पटेल से पूरे मामले के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अगर इस मामले में थाने के पीआई को निलंबित नहीं किया गया तो आदिवासी समुदाय आंदोलन करेगा। भारतीय आदिवासी

है, मृत और न्याय पर विचार किया जाएगा। हम निकट भविष्य में प्रतिनिधित्व और आंदोलन का रास्ता भी अपनाएंगे। इन पुलिसकर्मियों को किया गया सरस्पेंड एमबी कोकानी (पीएसई) शक्ति सिंह जाला (A.H.Co) रामजी यादव (एपीसीओ)

## 24 लाख का पैकेज छोड़ एमबीए छात्र ने शुरू की चाय की दुकान कर रहा लाखों की कमाई

**द्वितीय दैनिक**  
सूरत, कोरोना के कई कठिन दौर में अनेक लोगों को नौकरियां चली गईं। ऐसे में कोई नौकरी का प्रस्ताव दुकरा दे इस पर यकीन करना संभव नहीं है। लेकिन सूरत में एक युवक ऐसा ही किया और लाखों स्पष्ट का पैकेज दुकरा दिया और चाय की दुकान शुरू कर दी। आज उसी चाय की दुकान से युवक लाखों स्पष्ट कमा रहा है। सूरत के वराछ क्षेत्र का मूल निवासी मितुल पडसाला नामक युवक के पिता हीरे तराशने का काम करते हैं। उनके पास इतने स्पष्ट नहीं थे कि वह अपने बेटे को पढ़ा सकें। जिससे पढ़ाई का पूरा खर्च मितुल के चाचा ने उठाया। वर्ष 2019 में मितुल ने महाराष्ट्र के पूणे स्थित सिम्बासिस यूनिवर्सिटी में एमबीए की अपनी पढ़ाई पूरी की। एमबीए पूरा होते ही मितुल को एक राष्ट्रीयकृत

बैंक से 24 लाख स्पष्ट वेतन का प्रस्ताव मिला। कोरोना काल में एक ओर जहां लोगों की नौकरियां जा रही थीं, वहीं दूसरी मितुल को उसी दौर में 24 लाख का पैकेज मिल रहा था। पढ़ाई पूरी करने के बाद मितुल पूणे से सूरत लौट आया और कोविड वॉरियर की सेवा में लग गया। मितुल पुलिस और सफाईकर्मियों को मुफ्त में चाय पिलाने लगा। चाय पिलाने के बाद उनसे अपनी चाय के बारे में अभिप्राय भी लेता। अलग अलग लोगों से चाय के बारे में अभिप्राय लेने के बाद मितुल ने 42 प्रकार की अलग अलग चाय बनाना सिखा और उसने टी कैफे खोलने का फैसला किया। मितुल के इस फैसले से उसके परिवार समेत नाते-रिश्तेदार भी सहमत नहीं थे। उनका मानना था कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने और लाखों स्पष्ट का पैकेज को

दुकरा मितुल चाय बेचेगा। लेकिन मितुल अपने फैसले पर अडिग था और उसने सूरत के वेसू क्षेत्र में 'आप की अपनी चाय' नामक दुकान शुरू कर दी। आ की अपनी चाय की दुकान में आज 42 प्रकार की अलग अलग चाय मिलती है। जिसकी कीमत रु 40 से लेकर रु 102 तक है। दुकान में तीन प्रकार की कॉफी भी मिलती है, ताकि कॉफी शौकीनों को कहीं और नहीं जाना पड़े। पूरी तरह डिजिटल मितुल के टी कैफे में ऑर्डर बुक भी डिजिटल है। दुकान में ग्राहकों के लिए शतरंज, पुस्तक इत्यादि का भी इंतजाम किया गया है। ताकि लोग बोर न हों और ऑर्डन आने तक पुस्तकें पढ़ें या शतरंज इत्यादि खेल सकें। प्रबल इच्छाशक्ति के धनी मितुल पडसाला टी कैफे से आज लाखों की कमाई कर रहा है।